डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 252 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 26 जून 2024 | मूल्य 2 रुपया

बाइक सवार से मिला 42 किलो छिलका, दो दिन के रिमांड पर आरोपी

दलौदा, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। थाना पुलिस ने 42 किलो डोडाचूरा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त बाइक को भी जप्त किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा हैं।

दलौदा थाना पुलिस के मुताबिक मुखबीर सूचना पर कार्यवाही करते हुए महु नीमच हाईवे रोड तहसील कार्यालय से आगे भावगढ फंटा तरफ तिरुपती बालाजी चाय की गुमटी के पास दबीश दी। आरोपी सुरेशदास पिता मनोहरदास बैरागी उम्र 42 साल निवासी रिण्डा थाना अफजलपुर जिला मंदसौर को हिरासत में लेकर उसके कब्जे वाली प्लेटीना बाइक क्रमांक एमपी 14 एमक्यु 8297 पर बंधे दो काले रंग के प्लास्टीक के कट्टे को खोला तो उसमे 42 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा मिला, जिसे जप्त कर लिया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया। आरोपी सुरेशदास से अवैध मादक पदार्थ लाने व ले जाने के संबंध मे पुछताछ जारी है।

बस की टक्कर से पलटा टेम्पो, ड्राइवर की मौत, 12 घायल

पिपलियामंडी, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। बस की टक्कर से टेम्पो पलटी खा गया। ड्राइवर की मौत हो गई, वहीं 12 लोग घायल हो गए। सभी इंदौर से सांवलियाजी दर्शन के लिए जा रहे थे। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह 4 बजे करीब मल्हारगढ में मंदसौर से नीमच की ओर जा रहे टेम्पो टाटा एस (एमपी 09 एलआर 2779) को पीछे से आ रही डबल स्टेरी बस ने टक्कर मार दी, जिससे टेम्पो पलट गया। इसमें सवार ड्राइवर विशाल (28) पिता लीलाधर डाबी, विनोद पिता रामप्रसाद, रोशन पिता लालकुमार, हरीश पिता दिनेश, राज पिता रामनिवास, शुभम पिता जगदीश, यश पिता हरिओम, अजय पिता राकेश, कानू पिता उमेश, योगेश पिता राजकुमार, सचिन पिता जीवन, राज पिता महेन्द्र सोलंकी, जितेन्द्र पिता प्रकाश चोहान घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए मल्हारगढ शासकीय अस्पताल भर्ती कराया, जहां टेम्पो ड्राइवर विशाल की मौत हो चुकी थी। मल्हारगढ टीआई राजेन्द्र पंवार ने बताया पुलिस ने बस ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया है।

मसखरों की मनोदशा और कांग्रेस की 'राहु'ल दशा

एक सोच या सबूतों से हटकर असलियत देखना और मानना। ऐसा अक्सर मानसिक बीमारी की वजह से होता है।' यह एक प्रतिष्ठित अस्पताल की भ्रम को लेकर की गई व्याख्या है। कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व जिस तरह से भारतीय संविधान की प्रति हाथ में लेकर उसकी रक्षा का दंभ भर रहा है, लगता ऐसा ही है कि वो इस अस्पताल की व्याख्या को ही जी रहा है। 24 जून को 18 वीं लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन कांग्रेसी अपने नेता राहुल गांधी के साथ संविधान की प्रति लेकर संसद में जब मौजूद थे तब उन्हें शायद याद नहीं आया कि 24 के बाद 25 जून भी आएगा।

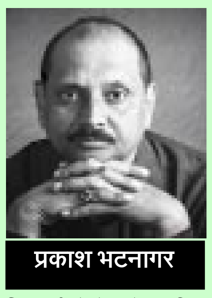

प्रकाश भटनागर

उनपचास साल पहले की वो तारीख जब राहुल गांधी की दादी ने देश के संविधान का गला घोटने का दुस्साहस किया था। 25 जून, 1975। यह तारीख देश को हमेशा कांग्रेस की तानाशाही को याद दिलाती रहेगी। कांग्रेस की संविधान रक्षा का दंभ आज गंभीरता नहीं, एक हास्य उत्पन्न करता है। लोकसभा में कांग्रेस नेता संविधान की प्रति हाथ में लेकर शपथ लेते समय जब 'जय हिन्द, जय संविधान' का नारा बुलंद करते हैं तो इस नौटंकी की गंभीरता पर कौन यकीन करेगा?

देवेन वर्मा अपने समय में हिंदी सिनेमा के मशहूर हास्य अभिनेता थे। यह तब की बात है, जब फिल्मों में हास्य कलाकारों का एक अलग स्थान था। फिर यह चलन कम होने लगा। अभिनय से संन्यास लेने के बाद वर्मा ने एक साक्षात्कार में इस चलन में बदलाव की वजह बताई। उन्होंने कहा कि अब हीरो ही खुद कॉमेडियन का चरित्र भी निभाने लग गए हैं। इसलिए निमार्ताओं को फिल्म में अलग से हास्य अभिनेताओं की जरूरत नहीं रह गई है।

हमारे देश में राजनीति पर असंख्य फिल्में बनी हैं और राजनीतिक जगत से जुड़े कई घटनाक्रमों पर फिल्म का असर साफ देखा जा सकता है। यह घटनाक्रम भी मिलता-जुलता ही है। कांग्रेस में शीर्ष स्तर पर दिग्गज और विद्वान श्रेणी के नेताओं की लंबी सूची है। इनमें से अधिकांश अपने काम एवं नाम के चलते सियासत सहित देश के सामजिक परिवेश पर भी सकारात्मक और विशेष असर डालने में सक्षम रहे। मामला किसी फिल्म के मुख्य नायक या नायिका जैसा ही रहा। हां, कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों में भी विदूषकों की कमी कभी भी नहीं रही। लेकिन, अब से पहले तक ऐसे किसी भी दल में इस तरह के चरित्र कभी भी मुख्य पात्र वाली जगह नहीं पा सके। अब तस्वीर अलग दिख रही है। कांग्रेस में राहुल गांधी घोषित और अघोषित रूप से पार्टी के कर्ताधर्ता के रूप में जो अनेक प्रहसन गढ़ते चले आ रहे हैं, उन्हें देखकर यही समझ आता है कि देवेन वर्मा ने फिल्मों से जुड़े बदलाव पर जो कहा था, वह व्हाया गांधी अब राजनीति पर भी लागू हो चुका है।

राहुल गांधी की सियासत का एक विशिष्टपक्ष यह है कि वह किसी एक बात का लंबे समय तक रट्टा मारने में माहिर हैं। तो राहुल की इस शैली में बीते कुछ समय से 'संविधान की रक्षा' वाला तत्व 'लेटेस्ट फैशन' की तरह हावी हो चुका है। जब राहुल संसद में संविधान की प्रति लेकर पहुंचे, तब उनके कहे और करे को समझने वालों के लिए इसमें नयापन या आश्चर्य वाली कोई बात नहीं थी। फिर भी आश्चर्य होता है। राहुल उस संविधान की दुहाई दे रहे हैं, जिसे कलंकित करने में उनकी पार्टी ने समय-समय पर कोई कसर नहीं छोड़ी। करेला और नीम चढ़ा वाला कसैला दुर्योग। 24 जून को राहुल एंड कंपनी संसद में संविधान की रक्षा की दुहाई देकर जब शपथ ले रहे थे, इसके ठीक 49 साल पहले राहुल की दादी इंदिरा गांधी ने देश को आपताकाल की बेड़ियों में जकड़ दिया था। उस दौर में इंदिरा जी और उनकी सलाहकार मंडली ने ही कौरवों की तरह देश के संविधान के चीर हरण की प्रक्रिया को पूरी निर्दयता और निर्लज्ज़ता के साथ अंजाम दिया। संविधान में संशोधन कर न्यायपालिका से आपातकाल की समीक्षा का अधिकार छीन लिया गया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी का चुनाव रद्द कर दिया था। इस संशोधन ने अदालत से प्रधानमंत्री पद पर नियुक्त व्यक्ति के चुनाव की जांच करने का अधिकार ही छीन लिया। इस संशोधन के अनुसार प्रधानमंत्री के चुनाव की जांच सिर्फ संसद द्वारा गठित की गई समिति ही कर सकती थी। इतना ही नहीं, उस समय संविधान में संशोधन के प्रावधान के माध्यम से मौलिक अधिकारों की तुलना में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों को वरीयता दी गयी। इस प्रावधान के कारण किसी भी व्यक्ति को उसके मौलिक अधिकारों तक से वंचित किया जा सकता था। इस संशोधन से न्यायपालिका को पूरी तरह से कमजोर कर विधायिका को असीमित ताकत दे दी गई थी। इससे यह हुआ कि केंद्र सरकार किसी भी राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर कभी भी सैन्य या पुलिस बल भेज सकती थी। दूसकी तरफ राज्यों के कई अधिकारों को केंद्र के अधिकार क्षेत्र में डाल दिया गया। इस संशोधन के बाद विधायिका द्वारा किए गए 'संविधान-संशोधनों' को किसी भी आधार पर अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती थी। साथ ही सांसदों एवं विधायकों की सदस्यता को भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती थी। जो राहुल गांधी आज संविधान को लेकर तीखे तेवर दिखा रहे हैं, उन्हें शायद यह भी पता होगा कि इंदिरा जी ने जो किया, उसके चलते आपातकाल में हुए संविधान संशोधनों के चलते इसे 'काँस्टीटूशन ऑफ इंडिया' की जगह ' 'काँस्टीटूशन ऑफ इंदिरा' कहा जाने लगा था। यह क्रम रुका नहीं। राहुल के दिवंगत पिता राजीव गांधी ने भी प्रधानमंत्री रहते हुए संविधान संशोधन के माध्यम से देश की सबसे बड़ी अदालत के अहम निर्णय को अंगूठा दिखा दिया था। शाहबानों प्रकरण को लेकर तुष्टिकरण की सियासत की, इस सियासत के चलते कांग्रेस ने देश की मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक की आग में और झुलसते रहने के लिए मजबूर कर दिया था। और फिर खुद .... शेष पेज 4 पर

रतलाम में कार्रवाई के बाद अब उठ रहे सवाल...

कुरकुरे:न एक्सपायर डेट और न निर्माण तिथि!

नियमों को ताक पर रखकर बिक रहे पैक्ड फुड प्रोडक्ट

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। रतलाम में खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ने एक फैक्टरी पर कार्रवाई की। यहां से 01 जुलाई की मैन्युफैक्चरिंग वाले कुरकुरे के पैकेट जून में ही दुकानों पर पहुंचा दिए गए थे। बात करें मंदसौर में बिकने वाले पैक्ड फुड प्रोडक्ट की। अभी तक खाद्य एवं औषधि विभाग ने किसी फैक्टरी तो दूर की बात दुकानों पर ही झांककर नहीं देखा। दुकानों में नामी कंपनियों की बजाय नए-नए नामों के हवा से भरे बड़े बड़े पैकेट लटके हुए नजर आ रहे हैं। इसका कारण है नामी कंपनियों के नियम और उसमें कम मार्जिन। लेकिन, ज्यादा मार्जिन देने वाले पैक्ड फुड प्रोडक्ट पर खाद्य पदार्थ की मात्रा जरुर ज्यादा दे रहे है। लेकिन, इनकी गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। इसका कारण है कि कई तरह के पैक्ड पैकेट पर एक्सपायर डेट, निर्माण तिथि, कंपनी के कांटेक्ट नंबर सहित कई आवश्यक चीजें अंकीत ही नहीं है। विशेषकर बच्चों के स्वास्थ्य पर इससे विपरित प्रभाव पड़ सकता है। लगभग सभी स्कूलों में तो इस तरह के ऑयटम को स्कूल में लाना ही प्रतिबंधित है।

कार्रवाई वाला प्रोडक्ट मंदसौर में भी बिक रहा...

रतलाम जिले में भीकानजी के कुरकुरे खाने से बच्चे बीमार होने की शिकायत मिली। इसके बाद कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि विभग की टीम फैक्टरी पहुंची। यहां दो हजार से ज्यादा पैकेट पर जुलाई 2024 की मैन्युफैक्चरिंग डेट की जांच कर जब्त किए गए। साथ ही करीब पौने दो क्विंटल पामोलीन ऑइल जब्त किया गया। अब बात करें मंदसौर की तो जिस फैक्टरी पर कार्रवाई हुई। उस फैक्टरी का प्रोडक्ट मंदसौर में भी दुकानों पर बिक रहा है। इसी से अन्य कई प्रोडक्ट की गुणवत्ता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

इसलिए दुकानदार बेच रहे माल...

उदाहरण के लिए अगर बाजार में अच्छी खासी सेल देने वाली कंपनियों की बात करें तो कंपनी के नियमानुसार केश पेमेंट दुकानदार को करना होता है। यहां उधारी का काम नहीं होता। इसके अलावा कंपनी सिर्फ ज्यादा पसंद किए जाने वाला माल ही नहीं, बल्कि अन्य प्रोडक्ट भी दुकानों पर रखने के लिए दबाव डालती है। वहीं मार्जिन भी इसमें कम होता है। ऐसे में हर किसी तरह के प्रोडक्ट को दुकानदार बेच रहे हैं।

हो सकती है सजा और जुर्माना...

यदि किसी खाद्य सामग्री के पैकेट पर एक्सपायरी डेट नहीं है। इसके अलावा पैकिंग का तरीका असुरक्षित है तथा बैज नंबर व पता भी उल्लेखित नहीं है तो इसे न केवल घोर लापरवाही माना जाएगा, बल्कि नियमों का पालन नहीं करने वाले दुकानदार व कंपनी के खिलाफ 3 से 5 लाख रुपए तक जुर्माना करने का प्रावधान है।

✻✻✻ यह है कुछ नियम ✻✻✻
एक्ट के तहत लाइसेंस लेना आवश्यक

✻ 12 लाख से ज्यादा के आय-व्यय वाले दुकानदारों को फूड सिक्योरिटी एक्ट के तहत लाइसेंस लेना आवश्यक। ✻ 12 लाख से कम आय वाले दुकानदारों को खाद्य औषधि प्रशासन विभाग में पंजीयन करना होगा। ✻ खाद्य सामग्री के पैकेट पर निर्माता कंपनी का नाम और पते का स्पष्ट उल्लेख हो। ✻ यदि उत्पादक ने किसी खाद्य सामग्री में रंग मिलाया है, तो उसकी क्वालिटी का स्पष्टउल्लेख हो। ✻ खाद्य सामग्री के पैकेट पर न्यूट्रीशियन वैल्यू, बैज नंबर, निर्माण तिथि और एक्सपायरी डेट का अंकित होना आवश्यक है।

स्थाई वारण्टी को दबोचा, जैल भेजा

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। फरार चल रहे स्थाई वारंटी को दबोचने में यशोधर्मन नगर पुलिस को सफलता मिली है। वायडी नगर थाना टीआई संदीप सिंह मंगोलिया ने बताया की आरोपी जुल्लु उर्फ जुल्फीकार पिता इकबाल सुन्नी उम्र 34 वर्ष निवासी मुल्तानपुरा थाना वायडी नगर वर्तमान मे कुछ समय से जहरीली शराब प्रकरण मे फरार चल रहा था। उसके कभी – कभी ग्राम मुल्तानपुरा मे आने की खबर मिल रही थी। विश्वसनीय मुखबीर ने बताया की फरार वारण्टी जुल्लु उर्फ जुल्फीकार यात्री प्रतिक्षालय के पास मुल्तानपुरा पर बैठा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम ने आरोपी को यात्री प्रतिक्षालय मुल्तानपुरा पर गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश किया गया। जहां से उसे जैल भेज दिया गया।

ट्रक ने मारी कार को टक्कर, 8 घायल

पिपलियामंडी, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। ट्रक की टक्कर से कार में सवार 8 घायल हो गए। जानकारी के अनुसार महू-नीमच मार्ग पिपलिया पुलिस थाने से आगे यह हादसा हुआ। खण्डवा निवासी श्याम तेजी ने पुलिस थाने पर शिकायत में बताया कि पिपलियामंडी रिश्तेदार से मिलने के बाद वापस जाते समय दोपहर में मेरी कार (एमपी 12 जेडई 1823) को पीछे से आ रही ट्रक (आरजे 01 जीडी 5385) ने टक्कर मार दी, जिससे कार में सवार मेरी पत्नी सलोनी, बेटे सारांश, दीदी नीतू परमार, साले दक्ष भाटी, भानेज मंथन, रिशिका, पलक को भी चोंटे आई। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर पर केस दर्ज किया।

तेरह साल बाद शुरु होगी पानी की सप्लाय

पेयजल टंकी से नल कनेक्शन जोड़ने का काम शुरु

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। चंदरपुरा में तेरह साल पहले पेयजल टंकी का निर्माण तो हो गया। लेकिन, लाखों रुपया खर्च करने के बाद भी क्षेत्र के लोगो को लाभ नहीं मिला। वर्ष 2020 में नवीन पेयजल वितरण लाइन के लिए 17 करोड़ का टेंडर हुआ। इसमें सभी नई टंकियों को वितरण लाइन से जोड़ा जाना था। लेकिन, सिर्फ चंदरपुरा में बनी टंकी में आठ सौ फीट पेयजल लाइन जोडने में चार साल निकाल दिए। इस मामले को 'दैनिक गुरु एक्सप्रेस' ने 18 जून के अंक में '10 साल में पानी के नाम पर एक अरब खर्च' शीर्षक से प्रमुखता से उठाया था। इसके बाद अब पेयजल टंकी से नल कनेक्शन जोड़ने का काम शुरु हो गया है।

करीब 13 साल पूर्व नगर के वार्ड नं. 26 के चन्द्रपुरा में पानी की टंकी का निर्माण हुआ था। लेकिन, नगरपालिका परिषद की लापरवाही एवं अनदेखी के चलते 13 वर्ष से इस टंकी से क्षेत्रवासियों के नल कनेक्शन नहीं जोड़े गये। क्षेत्रीय पार्षद संगीता गोस्वामी एवं पार्षद प्रतिनिधि शैलेन्द्र गिरी गोस्वामी ने इस बाबत् कई बार नगर पालिका में आवेदन दिए। लेकिन सुनवाई नहीं हुई। हालांकि अब टंकी से नल कनेक्शन जोड़ने के मामले को लेकर नपा के जनप्रतिनिधयों ने गंभीरता से लिया। नगरपालिका अधिकारियों को नल कनेक्शन टंकी से जोडने के निर्देश दिये। जिस पर 25 जून को नपा के जलकर विभाग के कर्मचारी चंदरपुर पहुंचे तथा वहां स्थित पानी की टंकी से क्षेत्रीय नागरिकों के नल कनेक्शन को जोड़ने का कार्य शुरू किया।

भाजपा नेता निगम ने दी नगर पालिका सीएमओ को चेतावनी...

मेरा भुगतान करो अन्यथा करना पड़ेगी आत्महत्या..!

जगह-जगह टेन्ट सहित अन्य कार्य करा लिए, पर पेमेंट नहीं कर रही नगर पालिका

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका मंदसौर इस समय ठेकेदारो का भुगतान नहीं कर पा रही है। बीच में कुछ समय तो ऐसी स्थिति भी बनी थी कि कर्मचारियो को वेतन देने के लाले पड़ गए थे। पहले विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद मामला पटरी पर आता दिख रहा है। इसी बीच भाजपा नेता और टेन्ट व्यवसाई चंद्रशेखर निगम ने नगर पालिका सीएमओ को आवेदन देकर उनके कार्यो का भुगतान कराने का आग्रह किया है। इसके साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द भुगतान नहीं किया गया तो मुझे आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ेगा। जिसकी जिम्मेदारी नगर पालिका होगी।

बीती 20 जून को आवेदन दिया गया था। लेकिन, 25 जून तक भी भाजपा नेता की नगर पालिका में सुनवाई नहीं हो रही है। अपने आवेदन में चंद्रशेखर निगम ने स्पष्ट लिखा है कि मैं निगम टेन्ट एवं निगम डेकोरेशन लाईट, टेन्ट, माईक के कार्य के लिए नगर पालिका मंदसौर से स्वीकृत ठेकेदार हूं। मेरे द्वारा नगर पालिका में अनेक कार्य किए गए है और आज भी कर रहा हूं। लेकिन, विकास यात्रा 2023, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए वार्डो में टेन्ट, कुर्सी, टेबल इत्यादी की व्यवस्था, वार्डो में भूमिपूजन आदि कार्य, विधानसभा निर्वाचन कार्य, राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा उत्सव, मध्यप्रदेश स्थापना दिवस, 26 जनवरी एवं लोकसभा निर्वाचन एवं आज तक किए गए कार्यो का नगर पालिका द्वारा भुगतान नहीं किया गया है।

आवेदन में लिखा है कि मेरी बेटी का विवाह मार्च 2024 में होना था। जिसके लिए मेरे द्वारा कई बार निवेदन किया गया। तब संबंधित अधिकारी एवं बाबु द्वारा कहा गया कि शादी के पूर्व आपका भुगतान हो जाएगा। लेकिन, जून माह भी बीतने वाला है, पर मेरा भुगतान नहीं हुआ है। जिसके कारण में आर्थिक रूप से बहुत परेशान होकर आत्महत्या करने पर मजबूर हूं। यदि आपके द्वारा मेरे कार्यो का भुगतान नहीं किया जाता है तो मेरे परिवार में कोई भी अनहोनि होती है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी नगर पालिका मंदसौर की होगी। पत्र की प्रतिलिपि अध्यक्ष नगर पालिका मंदसौर, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन मंत्री, आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं कलेक्टर मंदसौर को भी दी गई है।

दिनांक- 24/06/2024

✻✻✻ जाहिर-सूचना ✻✻✻

मैं मुमताज बी पत्नि स्व. श्री अब्दुल अजीज घोचा निवासी मुल्तानपुरा व किटीयानी मंदसौर तहसील व जिला मंदसौर म.प्र. के द्वारा उक्त जाहिर सूचना प्रकाशित करती हूँ कि :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मुमताज बी पत्नि स्व श्री अब्दुल अजीज घोचा निवासी मुल्तानपुरा व किटीयानी मंदसौर तहसील व जिला मंदसौर म.प्र. की निवासी होकर मेरे स्वर्गीय पति अब्दुल अजीज घोचा निवासी मुल्तानपुरा तहसील व जिला मंदसौर म.प्र. के नाम से गोल चौराहा मंदसौर म.प्र. स्थित हाजी कॉम्लेक्स नाम से एक बिल्डिंग स्थित हैं। जिसमें शराफत हुसैन दिपलिया पिता हाजी हुसैन जाति नियारगर जीम वाला निवासी बाबु पट्टी वाले के पास नूर कालोनी बिलाल मस्जिद के पास नूर कालोनी मंदसौर म.प्र. को उक्त कॉम्पलेक्स में एक हाल जीम चलाने को किराये से दिया है। जिसकी किरायेदारी 11 माह की थी जो भी समाप्त हो चुकी हैं तथा उक्त हाल को खाली करके कब्जा देना था।

उक्त शराफत हुसैन दिपलिया मुझ विधवा महिला से अभद्र व्यवहार करता है तथा गाली गलोच करता हैं व अवैध रूप किराये के हाल पर कब्जा करके बैठा हैं उक्त हाल में लगी टाईल्स को भी तोड फोड़ कर दी है व चेनल गेट के बार-बार ताले तोड़कर दादागिरी करता हैं तथा रिपोर्ट करने पर पुलिस भी कोई कार्यवाही नहीं करती हैं व उक्त शराफत हुसैन दिपलिया खुले आम दादागिरी करता है व उक्त हाल को खाली करने के लिये पिछले 3 वर्षो से बार-बार समय मांगता है व खाली नहीं कर रहा है व विद्युत बिल भी जमा नहीं कर रहा हैं एवं उक्त शराफत हुसैन दिपलिया की ओर उक्त किराया वाले हाल का किराया रू. 2,10,000/- दो लाख दस हजार रू. बकाया होने के बाद भी भुगतान नहीं कर रहा हैं। पुलिस के माध्यम से भी राजीनामा हुआ किन्तु फिर भी हाल को खाली नहीं कर रहा हैं। मुझ विधवा के छोटे-छोटे बच्चे हैं इस कारण मेरा प्रशासन से निवेदन हैं कि मुझ विधवा महिला को हाल को खाली करवाकर कब्जा दिलवाया जावे। उक्त शराफत हुसैन दिपलिया का आपराधिक होकर वाई.डी. नगर थाने मंदसौर में उसके खिलाफ कई शिकायते भी हो चुकी है।

अत: उपरोक्त जाहिर सूचना के द्वारा पुलिस प्रशासन एवं कलेक्टर महोदय से निवेदन है कि मुझे उक्त हाल का कब्जा दिलवाया जावें।

दिनांक- 24/06/2024, मंदसौर

हस्ताक्षर
मुमताज बी पत्नि स्व. श्री अब्दुल अजीज घोचा
निवासी मुल्तानपुरा व किटीयानी मंदसौर म.प्र.

नर्सिंग कॉलेजों के लिए नियामक आयोग का गठन होगा

कैबिनेट की हरी झंडी के साथ बन जाएगा नियम

भोपाल, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। नर्सिंग कॉलेजों में फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद सरकार अब नियामक आयोग बनाने जा रही है। पिछले दिनों एक समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसकी घोषणा की थी। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इसका ड्राफ्ट तैयार कर लिया है।

सामान्य प्रशासन विभाग और विधि विभाग ड्राफ्ट का परीक्षण कर अपनी राय देंगे। इसके बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। एक जुलाई से शुरू होने जा रहे मानसून सत्र के दौरान ही इसे कैबिनेट में प्रस्तुत करने की तैयारी है। कैबिनेट से स्वीकृति के बाद केंद्र के इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आईएनसी) एक्ट के अनुरुप राज्य सरकार अपने नियम बनाएगी।

इन्हीं नियमों के अनुरूप नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता जारी की जाएगी। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आईएनसी ने एक्ट तैयार कर लिया है। इसके अनुरूप ही प्रदेश में नियामक आयोग का गठन किया जाएगा। आयोग का काम मुख्य रूप से निगरानी का रहेगा।

नर्सिंग काउंसिल कराएगा परीक्षा...

कॉलेजों की मान्यता के पहले उनकी जांच करने वाले दलों का गठन कैसे हो, निरीक्षण किस अवधि में किया जाए। कॉलेज गड़बड़ी करते हैं तो उनके विरुद्ध क्या और किसे कार्रवाई का अधिकार होगा। इन सभी विषयों पर काम करेगा। परीक्षा कराने का काम नर्सिंग काउंसिल का रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि जब तक नए नियम नहीं बनते तो 2024-25 के सत्र में कॉलेजों को मान्यता आईएनसी द्वारा तैयार किए जा रहे नियम और मापदंडों के अनुसार ही दी जाएगी। 2023-24 में प्रदेश में किसी नए नर्सिंग कालेज को मान्यता नहीं दी गई थी।

अपने नियम बनाने के बाद शुरू हुआ फर्जीवाड़ा...

इस सत्र से मान्यता देने की तैयारी है। बता दें कि 2018 के पहले तक आईएनसी के नियम ही चल रहे थे, पर इसके बाद राज्य सरकार ने मान्यता को लेकर अपने नियम बना लिए थे। इसके बाद से नर्सिंग संस्थाओं में फर्जीवाड़ा शुरु हुआ।

इनका कहना...

नियामक आयोग बनाने के संबंध में ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। अब सामान्य प्रशासन विभाग और विधि विभाग में इसका परीक्षण किया जा रहा है। उनकी राय आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

तरुण पिथौड़े, आयुक्त स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मप्र

विचार-मंथन

फिर भटकता कनाडा...

कनाडा में बढ़ते भारत विरोधी अलगाववाद की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। भारत सरकार ने उचित ही कनाडा सरकार से कड़ा विरोध दर्ज कराया है। फिर एक बार खून-खराबे को लालायित चंद खालिस्तानी चरमपंथियों ने तथाकथित नागरिक अदालत आयोजित की है और वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर प्रधानमंत्री का पुतला जलाया है, तो कतई हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा जा सकता। भारत ने कनाडाई उच्चायोग को बाकायदे एक राजनयिक नोट जारी करते हुए अलगाववादी तत्वों की ताजा हरकतों पर अपनी गंभीर आपत्ति जताई है। कनाडा में भारत विरोध को जिस तरह से भड़काने की लगातार साजिशें हो रही हैं, उसमें कहीं न कहीं उस देश की मुख्यधारा की राजनीति का हल्कापन जिम्मेदार है, तभी तो घोषित आतंकी निज्जर को वहां की संसद में मौन श्रद्धांजलि दी गई है। यह वही निज्जर है, जिस पर भारत में हत्या का आरोप था, जो मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची में शामिल था। उसकी मौत पर कनाडा में आंसू बहाने वालों की जमात निरंतर उग्र होती जा रही है, तो भारत सरकार को कुछ ज्यादा ही सचेत रहना चाहिए। अब यह बात कतई छिपी नहीं है कि जस्टिन ट्रूडो की सरकार अलगाववादियों को खूनी खिलवाड़ का मौका दे रही है। लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अलगाववाद के प्रति नरमी खुद कनाडा के समाज पर भारी पड़ेगी। अलगाववाद का समर्थक पाकिस्तान आज किस मुकाम पर है, यह हर कोई देख रहा है। बेशक, दोनों देशों के बीच मुख्य मुद्दा कनाडा सरकार द्वारा अपनी धरती पर सक्रिय हिंसक तत्वों को छूट देने का है। दरअसल, कनाडा अपने ही इतिहास को भूल गया है। साल 1985 में 25 जून को मॉन्ट्रियल से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को कनाडाई सिख आतंकियों ने बम विस्फोट से उड़ा दिया था। जमीन से 31,000 फीट ऊपर बम विस्फोट हुआ था, जिसमें 268 कनाडाई, 27 ब्रिटिश व 24 भारतीय मारे गए थे। यह बमबारी आज भी विमानन आतंकवाद के सबसे दर्दनाक दुष्कृत्यों में से एक है। फिर 23 जून दहलीज पर है, पीड़ित परिजन अपनों की शहादत को हर साल की तरह इस बार भी याद करना चाहते हैं, लेकिन अलगाववादियों को यह चुभ रहा है। विडंबना देखिए, निज्जर को तो संसद में श्रद्धांजलि दी गई, मगर आतंकी हमले के शिकार बेगुनाहों को बाहर कहीं श्रद्धांजलि देने पर आपत्ति हो रही है? ऐसे में, भारत सरकार ने आधिकारिक निंदा का सहारा लेकर दोटूक संदेश दिया है, जो कनाडा के कर्णधारों तक जरूर पहुंचना चाहिए। यह भी गौर करने की बात है कि कनाडा में ही अच्छी नसीहत देने वाले कम नहीं हैं। भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य ने साफ शब्दों में कहा है कि आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार विचारधारा अब भी उनके देश में कुछ लोगों के बीच जीवित है। कनाडाई संसद में बोलते हुए आर्य ने उचित ही कहा कि खालिस्तान समर्थकों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाना यह दर्शाता है कि स्याह ताकतें फिर सक्रिय हो गई हैं। वहां हिंदुओं और उनके आयोजनों को निशाना बनाया जाने लगा है। कनाडा 1980 के दशक में ऐसी ही आग से गुजर चुका है, वहां की सरकार ने जब आतंकवाद का दर्द झेलने के बाद कड़ी कार्रवाई की थी, तब अलगाववादी आग काबू में आई थी, आज फिर वैसी ही जरूरत आन पड़ी है।

अधूरे वायदों के बीच किसानों का असंतोष दूर कैसे हो

बीके झा

सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में प्रवेश कर रही है, इसलिए कृषक समुदाय का विश्वास जीतने के लिए वास्तविक और पर्याप्त सुधारों की आवश्यकता होगी, जो किसानों के कल्याण को प्राथमिकता दें। कृषि हमेशा से भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना का आधार रही है। अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, इस क्षेत्र ने हाल के वर्षों में केंद्र सरकार के साथ खटास भरे संबंधों को देखा है। कृषि में क्रांति लाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी वायदों और उसके बाद की नीतियों को अक्सर कृषक समुदाय के संदेह और गुस्से का सामना करना पड़ा है। यह असंतोष राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में हाल ही में हुए आम चुनाव परिणामों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। विवादास्पद कृषि कानून और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) के लिए कानूनी गारंटी की अधूरी मांग सहित इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाले गहरे मुद्दे किसानों की पीड़ा और गुस्से को बढ़ाते रहते हैं। भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, जिसमें से 47 प्रतिशत कृषि पर निर्भर है। भारत की तेज आर्थिक वृद्धि के बावजूद, कृषि आय स्थिर रही है जो 2019 में औसतन लगभग 10,000 रुपए मासिक रही। आधे परिवार कर्ज में डूबे हुए हैं और उनके पास पारंपरिक वित्त पोषण की कमी है। पिछले एक दशक में खेती पर सार्वजनिक खर्च में कमी आई है और जरूरी सुधार लागू नहीं किए गए हैं। नतीजतन, कृषि क्षेत्र, जो भारत के लगभग आधे श्रमिकों को रोजगार देता है, सकल घरेलू उत्पाद में पांचवें हिस्से से भी कम योगदान देता है। 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का मोदी का वायदा अभी भी अधूरा है। 2014 में शुरू हुए मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में किसानों की आय दोगुनी करने के वायदों के साथ कृषि पर काफी ध्यान दिया गया था। हालांकि, ये वायदे विवादों और किसान विरोधी नीतियों के कारण दब गए। 2020-21 में किसानों की पीड़ा और गुस्सा अपने चरम पर पहुंच गया और फसल बिक्री, मूल्य निर्धारण तथा भंडारण के नियमों को आसान बनाने के उद्देश्य से विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए। मोदी द्वारा कानूनों को निरस्त करने का वायदा करने के बाद विरोध प्रदर्शन समाप्त हो गए। किसानों ने 23 फसलों के लिए कानूनी रूप से गारंटीकृत एम.एस.पी. की मांग की, जो वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन की सिफारिश के अनुसार उत्पादन लागत से 50 प्रतिशत अधिक है। जबकि सरकार 22 फसलों के लिए एम.एस.पी. निर्धारित करती है, वह मुख्य रूप से कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए केवल गेहूं और चावल खरीदती है और निजी खरीदारों को कानूनी तौर पर एम.एस.पी. का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होती है। विवादास्पद कृषि कानूनों का उद्देश्य कृषि क्षेत्र को उदार बनाना था, लेकिन कई किसानों ने इसे अपनी आजीविका के लिए खतरे के रूप में देखा। इसके बाद हुए लंबे विरोध प्रदर्शनों के कारण अंततः इन कानूनों को वापस ले लिया गया, फिर भी अंतर्निहित असंतोष कायम रहा। हाल के लोकसभा चुनावों में इस चल रहे गुस्से को दर्शाया गया जिसमें कृषि के मुद्दों को लेकर सत्तारूढ़ पार्टी को काफी नुकसान हुआ। भारतीय कृषि मंत्रियों का भविष्य क्या है? नव-नियुक्त कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को चुनौतियों का समाधान करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश के कृषि परिदृश्य को बदलने की अपनी सभी विशेषज्ञता और अनुभव को लाना होगा। उन्हें अपने पूर्ववर्तियों के भाग्य के बारे में उत्सुक और सतर्क रहना चाहिए। तत्कालीन केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह के नेतृत्व में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के आरंभकर्ता को फिर कभी मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया। मृदा उत्पादकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई यह योजना अप्रभावी और विवादों में फंस गई। नरेंद्र सिंह तोमर सहित बाद के मंत्री मध्य प्रदेश राज्य की राजनीति में चले गए और अब वे विधानसभा में स्पीकर हैं। हाल ही में, अर्जुन मुंडा को चुनावी हार का सामना करना पड़ा। जूनियर मंत्रियों कैलाश चौधरी और संजीव बालियान की हार भी सरकार की कृषि नीतियों से किसानों के असंतोष का संकेत देती है। कृषक समुदाय की एक महत्वपूर्ण मांग एम.एस.पी. की कानूनी गारंटी रही है। इस मांग को पूरा करने में सरकार की विफलता गुस्से का एक महत्वपूर्ण स्रोत रही है। किसानों का तर्क है कि कानूनी रूप से गारंटीकृत एम.एस.पी. बाजार में उतार-चढ़ाव और बिचौलियों द्वारा शोषण के खिलाफ सुरक्षा जाल प्रदान करेगा। कई आश्वासनों के बावजूद, मोदी प्रशासन ने इस आशय का कानून नहीं बनाया है, जिससे यह धारणा बनी है कि उनके हितों की अनदेखी की जा रही है। विशेषज्ञों का तर्क है कि कानूनी रूप से एम.एस.पी. की गारंटी देने से राजकोषीय बोझ और संभावित मुद्रास्फीति प्रभाव पैदा हो सकते हैं। हालांकि, इस प्रभाव पर राय अलग-अलग हैं। कुछ लोगों का मानना है कि खेती की लागत को नियंत्रित करने से मुद्रास्फीति की चिंता कम हो सकती है। सभी फसलों के लिए एम.एस.पी. कार्यान्वयन की लागत भी अनिश्चित है, जो बाजार की कीमतों, सरकारी खरीद की मात्रा और अवधि के साथ बदलती रहती है। कृषि भूमि निवेश से जुड़ी प्रत्यक्ष आय सहायता एक अधिक प्रभावी दृष्टिकोण हो सकता है। किसानों को मूल्य स्थिरीकरण निधि से भी लाभ हो सकता है, ताकि बाजार की कीमतें एम.एस.पी. के स्तर से नीचे गिरने पर अंतर को कवर किया जा सके। रणनीतियों का यह संयोजन महत्वपूर्ण राजकोषीय या मुद्रास्फीति संबंधी मुद्दों को पैदा किए बिना किसानों को बेहतर समर्थन दे सकता है।

लोकजीवन की आत्मगाथा और हमारा समाज

बुलाकी शर्मा

लोक साहित्य का सृजक लोक ही है, इसीलिए उसमें लोक-जीवन की आत्म गाथा समाहित होती है। लोक साहित्य मानव जीवन जितना ही प्राचीन है। अपने जन्म के साथ ही मनुष्य ने कथाएं कहनी शुरू कर दी थीं- यथार्थपरक भी और काल्पनिक भी। इन कथाओं में उसके अपने अनुभवों की कथाएं हैं, साथ ही अपने तत्कालीन समय और समाज की घटनाओं और कथाओं का समावेश है। समय के साथ-साथ समाज में बदलाव की बयार चलती रहती है और समय के साथ कदम-ताल करते हुए लोक साहित्य में भी बदलाव होता रहा। लोक साहित्य समय के साथ यात्रा करता आया है। परिवर्तनों को स्वीकारता रहा है। इसमें वह समय भी है, जब सैलानी जादुई उड़नखटोले से भ्रमण करते नजर आते हैं, लेकिन समय के साथ-साथ जैसे-जैसे विकास होता गया, सैलानी उड़नखटोले की जगह हेलिकाप्टर, हवाईजहाज से सफर करने लगे। लोक साहित्य की यह सबसे बड़ी खूबसूरती है कि वह परंपराओं का ध्यान रखते हुए भी रूढ़ियों को पकड़ कर एक जगह ठहरता नहीं। वह समय के साथ चलता है और समय के सच से साक्षात कराते हुए कभी-कभी समय से आगे चलता भी दिखता है। तभी कहा जाता है कि किसी संस्कृति के संबंध में गहराई से जानने के लिए वहां के लोक साहित्य को जानना जरूरी है, क्योंकि उसमें संस्कृति का सच्चा स्वरूप दृष्टिगोचर होता है। लोक साहित्य में लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य आदि सभी रूप शामिल हैं। इनकी भाषा इतनी सहज-सरल-सरस होती है कि वे लोक-कंठों में बस जाती हैं। आज के आत्ममुग्ध और आत्म-प्रचार के समय में हम लोक साहित्य सृजकों के आत्म-प्रचार से दूर रहने की मनःस्थिति पर विस्मय ही कर सकते हैं। अपनी प्रसिद्धि, मान-सम्मान या अपने नाम के प्रचार की लालसा का भाव उनमें लेशमात्र भी नहीं था। अपनी रचनाओं में भी वे ऐसा संकेत करने से बचते रहे, जिससे कि उनकी पहचान की जा सके। अपने नाम के प्रचार के मोह से वे पूरी तरह मुक्त थे। उन्होंने लोक में जो देखा, जो अनुभव किया, उसे अभिव्यक्त करते हुए अपने लोक-दायित्व का निर्वहन किया। अपने मन के भावों को गीत, गाथा या कथा के माध्यम से अभिव्यक्त करने में ही उन्हें आत्मिक तृप्ति की अनुभूति होती थी। उनके मन के भाव इतने अनुभूत, यथार्थपरक, सच्चे और प्रभावोत्पादक होते थे कि उनके अंतःस्थल से निसृत बोल लोग आत्मसात कर लेते थे, उन्हें वे कंठस्थ हो जाते थे और अन्य लोगों को सुनाने में उन्हें आनंद का अनुभव होता था। इस श्रुति-परंपरा ने वर्षों से लोक साहित्य को लोगों के कंठों में बसाए रखा है। श्रुति-परंपरा के सहारे ही वे आज तक हमारे बीच जीवित हैं। देशी-विदेशी, सभी भाषाओं का लोक साहित्य लोक से जुड़ाव रहा है। मनुष्य-समाज में लोक ही ऐसा वर्ग रहा है जो अभिजात्य संस्कारों, पांडित्य प्रदर्शन या दंभ से मुक्त रहकर परंपराओं को आत्मसात किए हुए लोकचित्त की बात करता है। मौखिक लोक साहित्य कंठों से कंठों की यात्रा करते हुए, श्रुति-परंपरा के माध्यम से अपना स्वरूप बनाता और सुधारता रहा है। धीरे-धीरे उसे लिखित स्वरूप भी मिलता रहा है। फिर भी लगभग सभी भाषाओं का अधिकांश लोक साहित्य आज भी लोक-कंठों में बसा हुआ है। उसका लिखित स्वरूप बहुत कम मात्रा में आ पाया है। अग्रज पीढ़ी के लेखकों ने लोक कथाओं के संग्रहण और संरक्षण के लिए प्रशंसनीय कार्य किया, लेकिन युवा पीढ़ी का इस ओर रुझान कम ही नजर आ रहा है, जबकि अभी भी लोक साहित्य पर काम करने की महती आवश्यकता है। अगर इस अमूल्य धरोहर को लिखित रूप में संरक्षित करने का हम ईमानदार प्रयत्न नहीं करेंगे तो धीरे-धीरे यह लोक साहित्य लुप्त हो जाएगा। महिलाएं सदियों से लोक गीतों को संरक्षित करने का काम करती रही हैं। जन्म से मृत्यु तक के सभी संस्कारों में महिलाएं लोक गीत गाती हैं। इन लोक गीतों में समय के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक आदि क्षेत्रों में आते बदलावों की झांकी भी हम देख सकते हैं, लेकिन खेद है कि आज की युवा पीढ़ी लोकगीतों से विमुख होने लगी है। उन पर सोशल मीडिया का प्रभाव बढ़ता जा रहा है और वे लोकगीतों की जगह फिल्मी गीतों-गजलों, उनकी पैरोडियों की ओर ज्यादा आकर्षित होने लगे हैं, हरेक भाषा का लोक साहित्य आधुनिक साहित्य को सदैव से ऊर्जावान करता आया है। लोककथा की प्राचीन और समृद्ध परंपरा से संस्कार ग्रहण कर आधुनिक कहानी को नूतन आयाम दिए जा सकते हैं, और उसके मन में यह उत्सुकता बनाए रखती है कि आगे क्या होगा। सफल कहानी भी वही कहलाती है जो पाठक और श्रोता को अंत तक बांधे रखे, उसमें उत्सुकता बनाए रखे।

कुछ राहें मुश्किल ही रहें तो बेहतर

पहाड़ से पत्थर गिरने का खतरा है, संभल कर निकलें। ऋषिकेश से आगे बढ़ते ही इस तरह की चेतावनी लिखे बोर्ड दिखने शुरू हो जाते हैं, जो पूरे बदीनाथ राजमार्ग पर जगह-जगह लगे दिखे। यानी अगर आप इस रास्ते से जा रहे हैं तो अपने जोखिम पर ही गुजरें। ऊपर से कभी भी कोई बड़ा पत्थर गिर सकता है। पिछले हफ्ते यहां से गुजरते वक्त हमारी गाड़ी पर भी कई जगह ऊपर से पत्थर के टुकड़े गिरे। कई जगह बड़े भारी पत्थर भी गिरे दिखे, जिन्होंने आधी सड़क ब्लॉक कर दी थी। एक लेन से ही गाड़ियां निकलने के कारण उन जगहों पर लंबा जाम लग गया। गनीमत रही कि इस भूस्खलन की चपेट में कोई नहीं आया। हालांकि हमसे पांच दिन पहले यहां से गुजरने वाले दो प्रवासी भारतीय इतने खुशकिस्मत नहीं थे। न्यूयॉर्क से अपने कई साथियों के साथ आए ये लोग बदीनाथ की यात्रा कर लौट रहे थे। रूद्रप्रयाग से सात किमी दूर नरकोटा में पहाड़ से एक बड़ा सा बोल्डर गिरकर इनकी ट्रैवलर में घुस गया, जिसकी चपेट में ये दोनों आ गए। पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सहित ज्यादातर पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। उत्तराखंड में चार धाम यात्रा को सुगम बनाने के लिए बन रही ऑल वेदर रोड की वजह से बड़े पैमाने पर पहाड़ों की कटाई हो रही है। सड़कें चौड़ी करने के लिए पूरे रास्ते में पहाड़ों को खोद डाला गया है। इसमें शक नहीं कि रास्ते काफी चौड़े और आरामदायक हो गए हैं लेकिन इसने एक बड़ी समस्या पैदा कर दी है। आसान ड्राइव की वजह से अब हर कोई अपनी गाड़ी से चार धाम की यात्रा को निकलने लगा है। ट्रैफिक के अत्यधिक दबाव के कारण सड़कों के धंसने का खतरा और बढ़ गया है।रूद्रप्रयाग तक गाड़ियों की संख्या बहुत अधिक रहती है क्योंकि इस पर तीन पवित्र तीर्थों को जाने वाला ट्रैफिक एक साथ चलता है। बदीनाथ के साथ ही केदारनाथ और हेमकुंड साहिब जाने का यही रास्ता है। रूद्रप्रयाग से इनके रास्ते अलग होने के बाद ही सड़क पर थोड़ी राहत मिलती है। पहाड़ों को काट-काट कर नंगा कर दिया गया है तो वहां गर्मी भी काफी बढ़ गई है। जिस गर्मी से बचने के लिए लोग हिल स्टेशन का रुख कर रहे हैं, वहां जाकर भी वैसी ही तपन से पाला पड़ रहा है। उत्तराखंड में कुछ स्थानीय लोगों से बात हुई कि हाइवे बनने से काफी यात्री और पर्यटक आने लगे हैं तो कारोबार अच्छा चल रहा होगा और रोज़गार के अवसर भी बढ़े होंगे। अधिकांश लोग इससे बहुत खुश नहीं दिखे। उनका मानना है कि इतने अधिक निर्माण कर पहाड़ खोखले करते जाना यहां के पर्यावरण के लिए ठीक नहीं। पर्यावरणविद भी लगातार आगाह कर रहे हैं। पिछले साल जोशीमठ से लेकर कर्णप्रयाग तक जमीन धंसने और मकानों में दरार आने की घटनाएं सामने आईं। उसके बावजूद जिस तरह हजारों गाड़ियों को वहां जाने दिया जा रहा है, वह कभी भी बड़ी आपदा को बुला सकता है। पिछली नवंबर में यमुनोत्री राजमार्ग पर सिलक्यारा सुरंग हादसे का उदाहरण हमारे सामने है, जिसमें काम करने वाले 41 श्रमिक 17 दिन तक अंदर फंसे रहे थे। दुर्गम पर्वतीय स्थलों तक पहुंच आसान बनाना क्या सही है? कठिन चढ़ाई कर वहां तक पहुंचने का रोमांच ही अलग था। अब चंद घंटों का सफर रह जाने से हम वहां भीड़ ही बढ़ा रहे हैं। क्या हमारे पहाड़ इतना बोझ सहन करने के लिए तैयार हैं। अमरनाथ और केदारनाथ त्रासदियों को इतनी जल्दी भुला देना घातक हो सकता है।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-3-6-7

वृषभ : [illegible] शुभांक-5-7-9

मिथुन : [illegible] शुभांक-4-6-7

कर्क : [illegible] शुभांक-4-6-7

सिंह : [illegible] शुभांक-6-7-9

कन्या : [illegible] शुभांक-4-5-7

तुला : [illegible] शुभांक-7-8-9

वृश्चिक : [illegible] शुभांक-4-6-9

धनु : [illegible] शुभांक-5-7-9

मकर : [illegible] शुभांक-2-4-6

कुंभ : [illegible] शुभांक-5-6-7

मीन : [illegible] शुभांक-4-6-8

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5277

	9	6		4			3	
	5	7	8	2				
1			9			5		
		9		1				8
5								2
4				9		6		
		4			3			1
				7	9	2	6	
	2			5		9	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5276

2	3	5	6	4	7	9	8	1
1	8	9	5	3	2	4	7	6
7	4	6	8	9	1	2	5	3
4	5	1	9	7	8	3	6	2
3	6	8	1	2	5	7	9	4
9	7	2	3	6	4	5	1	8
6	9	7	4	1	3	8	2	5
8	1	3	2	5	9	6	4	7
5	2	4	7	8	6	1	3	9

वर्ग पहेली 5277

संकेत: बाएं से दाएं

1. विश्व की सबसे ऊँची मूर्ति का रिकॉर्ड अब स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के नाम दर्ज हो गया है यह भारत के इस राज्य में स्थित है (4)
5. यह कुल्लू घाटी के उत्तरी छोर के निकट ब्यास नदी की घाटी में स्थित एक महत्वपूर्ण पर्वतीय स्थल है (3)
8. नाश करने वाला (4)
9. [illegible] (3)
10. जंगल, अरण्य, वन (3)
12. स्तुति करने वाला, स्तुति गायक (3)
15. शास्त्रीय संगीत में एक राग (3)
17. पुराणानुसार सात पातालों में से एक पाताल का नाम (2)
18. स्वर्ण-चांदी का व्यवसाय करने वाला, [illegible] (2)
21. इस देश को [illegible] भी कहते है (3)
22. तपस्वी, ज्ञानी, [illegible], साधु (2)
23. [illegible] (2)
24. बेटी का बेटा
25. बूंद-बूंद गिरना, ऊपर से सहसा गिरना (4)

ऊपर से नीचे

1. गुंथे हुए फूलों का गुच्छा (4)
2. [illegible] (2)
3. पूर्णिमा की रात को यह भी कहा जाता है (2)
4. ढंग, प्रकार, उपाय, युक्ति (3)
5. पुरानी फिल्मों के प्रसिद्ध संगीतकार (6)
6. गंदा पानी बहाने का एक कृत्रिम जल मार्ग (2)
7. निगलना, भोजन आदि का गले से पेट में उतारना (3)
11. मना करना, न मानना (4)
13. अपने देश का निवासी (3)
14. मधुर ध्वनि, बीता या आने वाला दिन (2)
16. एक प्रकार का श्वास रोग (2)
19. [illegible] (3)
20. [illegible] करना, शोक करना, [illegible] होना (3)
21. [illegible] (3)
23. कच्चे आम या इमली का बना पेय (2)

वर्ग पहेली 5276 का हल

आ	ग	रा			भा	र	त
शा	म	त	ज	या		वि	
		औ	टा	ना		धा	र
अ	स	र		ई	श्व	र	
	मं	दि	र				
	द	न	द	ना	ना		ध्व
छो	र		धु	ह	ना	क	
टा		ले	ट	र		रि	श्ता

अब प्रदेश सरकार नहीं भरेगी मंत्रियों का टैक्स

सीएम मोहन यादव कैबिनेट ने बदला 52 वर्ष पुराना नियम

भोपाल, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश में अब सरकार द्वारा मंत्रियों का टैक्स नहीं भरा जाएगा। टैक्स का भुगतान अब मंत्रियों को ही करना होगा। प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने 1972 का यह नियम आज कैबिनेट में बदल दिया। बैठक में सीएम मोहन यादव ने जब ये सुझाव रखा तो सभी ने अपनी सहमति दे दी। सरकार ने पिछले पांच वर्ष में करीब 3.24 करोड़ रुपए टैक्स जमा किया है।

नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बैठक के संबंध में चर्चा करते हुए कहा कि मंत्रियों को मिलने वाले भत्ते पर लगने वाला इनकम टैक्स राज्य सरकार देती है। इसमें सुधार किया जाना चाहिए। इसके बाद सभी ने सीएम के प्रस्ताव पर सहमति दी और इससे संबंधित अधिनियम समाप्त कर मंत्रियों के भत्ते पर लगने वाला इनकम टैक्स सरकार से जमा कराने की व्यवस्था खत्म करने को कहा है।

श्री विजयवर्गीय ने कहा कि जैल सुधार में कैसे सुविधाएं बढ़ाई जाएं और कैदियों को रोजगार से जोड़ा जाए, इस दिशा में सरकार जल्द ही विधानसभा में विधेयक लाएगी। कैबिनेट बैठक में यह भी फैसला किया गया कि केंद्रीय और राज्य की पैरामिलिट्री और फोर्स की सेवा में शहीद होने वाले अफसरों, कर्मचारियों की सरकार की ओर से आर्थिक सहायता शहीद की पत्नी को दी जाती थी। अब सरकार ने तय किया है कि अब सहायता की 50 प्रतिशत राशि शहीद के माता-पिता को भी दी जाएगी।

एमपी से बाहर स्कूलों में अध्ययनरत छात्रों को भी मिलेगी स्कालरशिप-बैठक में और भी निर्णय लिए है। जिसमें सैनिक स्कूलों में स्कॉलरशिप मिलती है। कई बार चयन में मध्यप्रदेश के विद्यार्थी एमपी के बाहर से प्रवेश पाते हैं। सरकार ने तय किया है कि एमपी के चयनित विद्यार्थी जो एमपी से बाहर पढ़ रहे हैं उन्हें भी एमपी सरकार स्कॉलरशिप देगी।

बेसिक स्काउटर कमिश्नर कोर्स का शुभारंभ पचमढ़ी में सम्पन्न

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। भारत स्काउट गाइड द्वारा राष्ट्रीय प्रशिक्षण राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी में बेसिक स्काउट गाइड कमिश्नर कोर्स दिनांक 24 से 28 जून तक आयोजित किया जा रहा है इस कोर्स में मध्य प्रदेश से 5 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। जिसमें चार मंदसौर जिले से हैं जिनमें जिला मुख्य आयुक्त अंशुल बैरागी, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बुलबुल कमिश्नर श्रीमती दीपिका बैरागी, जिला रोवर्स कमिश्नर एनडी वैष्णव असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर एडवोकेट राहुल माली भी इस सेमिनार में मंदसौर जिले से भाग ले रहे है। मध्य प्रदेश के अलावा केंद्रीय विद्यालय समिति के प्रिंसिपल साथ ही कर्नाटक ,आंध्र, उडीसा, हरियाणा ,उत्तर प्रदेश,हिमाचल ,बंगाल आदि स्थानों से भी बेसिक कमिश्नर कोर्स में प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। लगभग 21 महिला और 17 पुरुष प्रतिभागी भाग ले रहे है। 24 जून को फ्लैग होस्टिंग के साथ ही शिविर प्रारंभ हो गया है यह शिविर लगातार 5 दिन चलेगा जिसमें विभिन्न गतिविधियां आयोजित होगी। उक्त जानकारी जिला स्काउट एवं गाइड प्रवक्ता मोहम्मद उमर शेख ने दी।

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के मंत्रिमंडल व राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 28-29 जून को

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री पशुपतिनाथ जी की पावन नगरी में भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) के मंत्रिमंडल व राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 28 व 29 जून को मनमोहन वाटिका मन्दसौर में आयोजित होने जा रही है। जिसमें देशभर के विभिन्न क्षेत्रों से महासभा के प्रतिनिधि व पदाधिकारी सम्मिलित होंगे।

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष वरदीचंद कुमावत ने बताया कि दो दिवसीय बैठक में देश भर से मंत्रिमंडल सदस्य, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय प्रतिनिधि, परामर्शक सहित महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गुजरात, दिल्ली-हरियाणा व राजस्थान के दक्षिण-पश्चिम व उत्तर-पूर्व जोन अध्यक्ष व महामंत्री भाग लेंगे। तथा इस बैठक में आगामी वर्ष में होने वाले राष्ट्रीय एवं सभी जोनों के चुनाव, चालू वर्ष का बजट, सामाजिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व की स्थिति, विभिन्न समाजोपयोगी प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। इस बैठक में चालू वर्ष 2024-25 का अनुमानित आय-व्यय पर मंथन, नवीन सदस्यता व आगामी वर्ष 2025 के राष्ट्रीय चुनाव व सभी जोनों के चुनाव पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम के तहत 28 जून शुक्रवार को शाम 7 बजे दीप प्रज्वलन, ईश वंदना के साथ मंत्रिमंडल की बैठक होगी, जिसमें विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी। 29 जून शनिवार सुबह 8.30 बजे से पंजीयन के बाद सुबह 10 बजे से 1.30 बजे तक बैठक होगी। इसके बाद दोपहर 2.40 से 5 बजे तक अधिवेशन होगा। इसके बाद प्रतिभा सम्मान समारोह होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, फुलेरा के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता निर्मल कुमावत, विशेष अतिथि मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा, श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी श्री ज्ञानदासजी महाराज (कुलगुरु कुमावत समाज भारत) श्री पंच निर्मोही अडी अखाडा श्री दादूराम आश्रम, उज्जैन होंगे। अध्यक्षता भारतीय क्षत्रिय कुमावत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष युधिष्ठिर कुमावत करेंगे। विशिष्ठ अतिथि भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के महामंत्री सूरजमल अडानिया, जोन अध्यक्ष व जोन महामंत्री (म. प्र. जोन), प्रदेश अध्यक्ष लीलाधर दौराया होंगे। मध्यप्रदेश जोन महामंत्री दिलीप टिकोलिया, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती प्रेमलता वाथरा, जगदीश घटोला, कन्हैयालाल घोडेला आदि अतिथियों का स्वागत करेंगे। भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के उपाध्यक्ष भरत ऐनीया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू मून्डेल, महामंत्री राजेश अडानीयाँ, कोषाध्यक्ष मदनलाल अडानीयां, भरत छापोला, जनगणना मंत्री भेरूलाल अन्यावडा, गोपाल छापोला, बाबू झुरवाल सहित कार्यकारिणी सदस्य परमानंद भदानीया, महेश छापोला, लाला मुंडेल, हरिशंकर मांचीवार, सत्यनारायण मण्डलियां, रवि मारिवार, विकास कड्वार, नरेन्द्र माण्डेला, संतोष मुंडेल, राजु नागदा, भोलाशंकर, गोवर्धन कुराडिया, वर्षा मुन्डेल, निशा वात्रा, कृष्णा डुंगरवाल, भावना टांक आदि ने इस भव्य आयोजन में महासभा के सदस्यों से इस आयोजन में सम्मिलित होने की अपील की है।

मेघवाल समाज सुवासरा तहसील अध्यक्ष पद के चुनाव सम्पन्न

सुवासरा, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। संगठन सचिव राधेश्याम सिनम ने बताया कि दिनांक 23/6/24 को मेघवाल समाज विकास परिषद तहसील राधेश्याम गौरवी जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में चुनाव की कार्यवाही रविवार मांगलिक भवन सुवासरा में तहसील अध्यक्ष पद पर चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न की गई। जिसमें मत का प्रयोग न करते हुए अनुसाशित संगठन का परिचय देकर आपसी सामंजस्य बनाकर सर्वसम्मति से राजू जी सुर्यवंशी टोकड़ा को तहसील अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। लेकिन तहसील कार्यकारिणी में 2 पद हेतु चुनाव की प्रक्रिया को होना प्रस्तावित था जिसमे युवा तहसील अध्यक्ष पद भी शामिल था जिसका किसी ने आवेदन प्रस्तुत नही किया ,जिसको देखते हुए जिला अध्यक्ष राधेश्याम जी गौरवी के आदेशानुसार पुन: पूर्व अध्यक्ष दशरथ जी बागनिया को युवा अध्यक्ष नियुक्त गया। कार्यवाही का संचालन इंदरलाल सुर्यवंशी प्रभारी तहसील अध्यक्ष ने किया।

गायत्री परिवार व वर्क संस्था द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। गायत्री परिवार व वर्क संस्था ने स्थानीय कालाखेत स्थित बद्रीभाई सांखला उद्यान में से दो ट्राली कचरा निकालकर एकत्र किया। इस बगीचे को साफ सुथरा कर यहां पौधे लगाये जायेंगे व उन्हें बड़ा किया जाएगा। जिससे नजदीक रहने वाले लोगों को शुद्ध ऑक्सीजन मिलती रहेगी।

गायत्री परिवार ने नगरपालिका के जिम्मेदारों से मांग की है कि नगर के सभी बगीचों में सीसीटीवी कैमरे लगाये जाये तथा बगीचों में कचरा डालने वाले तथा बगीचों को गंदा करने वालों पर आर्थिक दण्ड का प्रावधान किया जावे। जिससे सार्वजनिक बगीचे साफ व स्वच्छ रह सके। स्वच्छता प्रभारी हर्ष शर्मा ने है कि नागरिकों का भी कर्तव्य है कि वह अपने आसपास के बगीचों में गंदगी करने वालों को रोके व टोके। गायत्री परिवार व वर्क संस्था अपना अमूल्य समय स्वच्छता कार्य में लगा रहा है तथा आम नागरिकों में जनजागृति फैला रहा है। यह अभियान 2026 तक चलेगा जिससे आम नागरिक भी जुड़ सकते है। रमेश सोनी ने कहा कि आज के समय में व्यक्ति गंदगी कर अपनी जिम्मेदारी से बच रहा है। जिससे बगीचे, नदी व बावड़ी गंदे हो गये है। इस पर रोक नहीं लगाई तो बीमारियों का प्रकोप बड़ेगा। मच्छर अधिक हो जायेंगे व बीमारियां फैलेगी। वर्क संस्था के फिरोज हुसैन ने कहा कि हम सफाई अभियान चलाकर जनसंदेश दे रहे है। हर व्यक्ति को एक-दो घण्टे समय निकालकर इस अभियान में सहयोग देना चाहिये। जाफर भाई ने कहा कि जल, पर्यावरण, सफाई व नशामुक्त भारत यह चार अभिज्ञान चलाकर हम उस पर कार्य कर रहे है। योगेशसिंह सोम ने कहा कि शासन प्रशासन को भी गायत्री परिवार के इस अभियान में दो घण्टे सहयोग करना चाहिये। 2026 तक यह अभियान नगर व गांव में चलाया जा रहा है। जो आज की समय की मांग है। सभी संस्थाएं भी इस अभियान से जुड़कर ओर गति प्रदान करें। स्वच्छता अभियान में सदस्य रमेश सोनी, हर्ष शर्मा, योगेशसिंह सोम, फिरोज खान, जाफर हुसैन, हेमंत एडवोकेट, राकेश व गौतम सांखला आदि ने स्वच्छता अभियान में सहयोग किया।

नपा कीर्तिनगर कोलोनीवासियों को मूलभूत बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाएं-जैन

गली, मोहल्लों में बिल्डिंग मटेरियल डालकर मार्ग अवरुद्ध करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करें, कलेक्टर ने जनसुनवाई में 126 लोगों की सुनी समस्याएं

नीमच, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। नीमच के कीर्तीनगर कालोनी में न.पा. मूलभूत बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। कुम्हारा गली में सलीम हैदर के मकान के सामने शासकीय जमीन से अतिक्रमण हटवाए। ग्वालटोली में कलाबाई के मकान के सामने सड़क पर अतिक्रमण कर दीवार निर्माण करने वाले के विरुद्ध कार्यवाही कर अतिक्रमण कटवाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदकों के आवेदनों पर सुनवाई करते हुए नीमच न.पा. केसीएमओ को दिए। इस मौके पर एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड व अन्य जिला अधिकारी भी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में कलेक्टर श्री जैन ने ग्वालटोली नीमच के किशन प्रजापति के तेज बारिश मंध मकान गिर जाने पर सर्वे करवाकर नियमानुसार आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश तहसीलदार नीमच को दिए। नीमच के ग्राम सेंदरिया के रामलाल भील की जमीन पर अन्य व्यक्ति व्दारा किए गए अवैध कब्जे को हटाकर रामलाल को कब्जा दिलाने के निर्देश भी तहसीलदार नीमच को कलेक्टर व्दारा जनसुनवाई में दिए गए। सावन के नागेश्वर जोशी ने देवस्थान की कृषि भूमि पर पडोसी द्वारा पानी निकासी बंद करने पर कलेक्टर ने तहसीलदार नीमच को मौके का निरीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्राम आमद के जगदीश सुरालाल, रोडीलाल, लक्ष्मण आदि के आवेदन पर कलेक्टर श्री जैन ने सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग नीमच को ग्राम रगसपुरिया फण्टाव के ग्रामीणों को विद्युत कनेक्शन उपलब्ध करवाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। जनसुनवाई में कृष्णा नगर नीमच के राजकुमार लालवानी के आवेदन पर दिव्यांग पुत्र को आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश सामाजिक न्याय विभाग को दिए गए। जनसुनवाई में कुल 126 आवेदकों ने कलेक्टर से भेंट कर, अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जिन पर कलेक्टर ने कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है। जनसुनवाई में यादव मंडी की अंजू यादव, केलूखेडा के भेरुलाल खारोल, मेलकी की नर्मदा बाई, धनेरियाकला के अमृत ब्राह्मण, कचोली की गायत्री बाई, पिपलिया सिघाडिया के सुन्दरलाल बैरागी, जीरन के श्याम लाल मीणा, केलूखेडा के समरथ, समेल चोकी की सीताबाई भील, सुवाखेडा के शम्भुलाल, बर्डिया के बाबूलाल, धामनिया की शिवकन्या, छाछखेडी के मोहन लाल, सावन की अंजना बाई, आमली भाट की सीताबाई ने भी अपना आवेदन प्रस्तुत कर, अपनी समस्याएं सुनाई।

शिशु मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी होगा दस्तक अभियान

नीमच, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। शिशु मृत्यु दर को कम करने मे दस्तक अभियान प्रभावी साबित होगा। बच्चें ही बडे होकर स्वस्थक भारत का निर्माण करते है, इसलिये इनका स्वस्थ होना जरूरी हैं। यह बात नीमच न.पा.अध्यक्ष श्रीमती स्वाकति चौपडा ने मंगलवार को नीमच में दस्तोक अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को सम्बोअधित करते हुए कही। न.पा.अध्याक्ष श्रीमती चौपडा ने बच्चों को अपने हाथो से दस्तक अभियान के तहत विटामीन ए पिलाया और ओ.आर.एस. के पैकेट वितरित किए। इस मौके पर डा.आर.के.खद्योत ने बताया, कि दस्तक अभियान 25 जून से प्रारंभ होकर 27

अगस्त तक संचालित किया जावेगा, जिसमें निर्धारित 11 प्रकार की सेवाए प्रदाय की जावेगी। जिसमें मुख्य रूप से विटामिन ए का अनुपुरण, निमोनिया एवं दस्त का प्रबंधन करना, ओ.आर.एस. का वितरण, जन्मजात विकृति के बच्चों की पहचान, एस.एन.सी.यू. से डिस्चार्ज बच्चों का फालोअप, छूटे बच्चोंव का टीकाकरण, एनिमिया की स्क्रीनिंग सहित अन्य सेवाए प्रदाय की जावेगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डा.बी.एल. सिसोदिया ने बताया, कि दो माह के इस अभियान में 0 से 05 वर्ष के लगभग 95000 बच्चों की ए.एन.एम., आशा कार्यकर्ता एंव आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वार घर-घर जाकर जॉच की जावेगी। आभार जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती अर्चना राठौड ने माना। कार्यक्रम का संचालन डी.सी.एम. श्री चन्द्रपाल सिंह राठौर ने किया। इस अवसर स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं आशा, आंगनवाडी कार्यकर्ता सहित हितग्राही उपस्थित थे।

सभी विभाग पांच साल के विकास का विधानसभावार विजन डाक्यूटमेंट तैयार कर प्रस्तुत करें-जैन

नीमच, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। जिलेकेसभी जिला अधिकारी अपने विभाग का आगामी पांच साल के विकास का विजन डाक्यूमेंट तैयार कर प्रस्तुत करें। जल गंगा संवर्धन अभियान निरंतर जारी रहे और शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरचनाओं केजीर्णोद्धार, पुर्नउद्धार कुओंऔर बावड़ियों के गहरीकरण के कार्य निरंतर जारी रखे और प्रगति रिर्पोट प्रस्तुत करें।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने अधिकारियों को निर्देश दिए, कि वे प्रत्येक क्षेत्र में 200-200 पौधारोपण के लिए स्थान चयनित कर, पौधारोपण के लिए गढढे तैयार करें और पौधो की उपलब्धता सुनिश्चित कर लें। पौधारोपण की तैयारी 15 दिवस में पूरी करें। शहरी क्षेत्रों में भी नगरीय निकाय पौधारोपण की कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करें। कलेक्टर श्री जैन ने सीएम हेल्प लाईन की समीक्षा में सभी विभागों की पचास दिवस से अधिक की लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश देते हुए कहा, कि आगामी एक सप्ताह में सभी पचास दिवस से अधिक की लंबित शिकायतों का निराकरण करें। कलेक्टर श्री जैन ने ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए, कि आबादी क्षेत्र से लगे गढढों, जिसमें पानी भरने की सम्भावना हो, ऐसे गढढों से आमजनों की वर्षाकाल में सुरक्षा के प्रबंध करें। आकाशीय बिजली से सुरक्षा केलिए शासन व्दारा तैयार किए गये दामिनी एप्प को उपयोगी बताते हुए कहा, कि जिले के सभी ग्रामीणजन एवं किसान दामिनी एप्प को डाउनलोड कर लें, जिससे कि उन्हें इस एप्प के माध्यम से आकाशीय बिजली गिरने के सम्भावित स्थान का पता चल सके और वे सुरक्षित रह सके।

आकाशीय बिजली विद्युत पोल पर गिरने से विद्युत उपकरण हुए खराब

भानपुरा, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। सोमवार की शाम भानपुरा नगर में घनघोर काले बादल छाने के बाद हवा के साथ आसमान से आकाशीय बिजली की चमक व गड़गड़ाहट के साथ बारिश होने लगी। जो करीब 15 से 20 मिनट तक होती रही। इस दौरान आसमान में जोरदार तरीके से आकाशीय बिजली कड़कने लगी। नगर के लोटखेड़ी रोड स्थित एक विद्युत पोल विद्युत लाइन पर जोरदार तरीके से आकाशीय बिजली कड़क कर गिरने से अचानक विद्युत सप्लाई बंद हो गई एवं किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन आसपास के घरों में इलेक्ट्रॉनिक सामानों में भारी नुकसान हो गया। लोटखेड़ी रोड निवासी रश्मि सावन मोदी, अभिषेक राठौर, सुरेश सोनी, सज़्ज़ाद टेलर, शौकीन पाटीदार, आदि ने बताया कि बारिश के दौरान जोरदार तरीके से आकाशीय बिजली कड़कने से एवं घर के बाहर स्थित विद्युत पोल 11 हजार केवी विद्युत लाइन में जोरदार फॉल्ट होने के बाद घरों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जल गए एवं छत के पंख के पार्टस तक नीचे गिर गए। विद्युत बोर्ड में लगे स्विच एवं वायरिंग तक जल गई। फॉल्ट इतना जोरदार तरीके से हुआ कि घर में डर का माहौल व्याप्त हो गया। सबसे बड़ी बात यह रहेगी किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई। बीते 24 घंटे में भानपुरा में मंगलवार 25 जून सुबह 8 बजे तक 13.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। अभी तक कुल 80.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हो चुकी है।

भारतीय लोकतंत्र पर प्रहार था आपातकाल...

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। 25 जून का दिन प्रतिवर्ष हमे स्मरण कराता हे भारतीय राजनीतिक इतिहास के एक ऐसे काले अध्याय की जब पूरे भारत में संविधान को ताक में रखकर इस देश की तत्कालीन सरकार ने आपातकाल लगा दिया था। आपातकाल यानि इमरजेंसी। 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक पूरे 21 माह तक सम्पूर्ण भारत एक प्रधानमंत्री की जिद और अहंकार की भेंट चढ़कर रह गया था। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चुनी गई सरकार का लोकतांत्रिक विरोधी व्यवहार नही हो सकता। यह भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद पर सबसे गहरी चोट थी। इस दौरान नागरीको के अधिकार और स्वतंत्रता का घोर हनन किया गया। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह सबसे विवादित और अलोकतांत्रिक काल था। वास्तव में आज की पीढ़ी इस बात की कल्पना भी नही कर सकती की उन 21 महीनो में पूरे भारत में कैसी खामोशी, श्मशान जैसा सन्नाटा, अत्यधिक निराशा और अज्ञात भय में जी रहे राष्ट्रभक्तों को किस मानसिक प्रताड़ना से गुजरना पड़ा था। इस आंदोलन में सहभाग करने वाले मिसाबंदियो के साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार हुए उनके विषय में चर्चा करते समय रोंगटे खड़े हो जाते हे। आपातकाल के दौर में निष्पक्ष पत्रकारिता की भी खूब परीक्षा ली गई। आज के पत्रकारो के लिए भी आपातकाल किसी सबक से कम नही हे। अधिकांश मीडिया संस्थान के झुक जाने के बावजूद जनता की आवाज नही दब पाई और आज भी उन पत्रकारो और मीडिया समूह को सम्मान के साथ याद किया जाता हे जिन्होने सत्ता से भयभीत होकर घुटने टेकने के स्थान पर सत्ता के अहंकार से टकराने का सामर्थ्य व साहस दिखाया। पत्रकारिता का स्वरूप हर दौर के लिए एक सबक के साथ ही मिसाल के तोर पर भी याद किया जाता हे। लोकतंत्र की मजबूती का मीडिया की स्वतंत्रता से सीधा संबंध हे। यही कारण हे की जब भी जन्हा भी लोकतंत्र को कमजोर करने या उसकी हत्या का प्रयास किया गया पहला वार मीडिया की स्वतंत्रता पर किया गया। आपातकाल की घोषणा के साथ ही विपक्षी दल के नेताओ को गिरफ्तार कर अज्ञात स्थानो पर जेल में बंद कर दिया गया। इस दौरान ऐसा कानून बनाया गया जिसके तहत गिरफ्तार हुए व्यक्ति को अदालत में पेश करने और जमानत मांगने का अधिकार नही था। जेल में बंद नेताओ को किसी से मिलने की अनुमति नही थी। उनकी गिरफ्तारी की सूचना परिवार और रिश्तेदारो को भी नही दी जाती थी। पूरे देश में जबरदस्ती लोगो की नसबंदी करवाई गई। काफी अधिक आलोचनाओं के बाद इस थोपे गए आपातकाल को 1977 में रद्द कर दिया गया और अदालत ने इस आपातकाल की घोषणा को अनुचित कृत्य का दर्जा दिया। आपातकाल के बाद ही देश में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ। यह किसी एक दल की सरकार नही थी बल्कि जनता के द्वारा हि समर्थित उस विपक्ष की सरकार थी जिसका दमन करने के लिए ही आपातकाल को हथियार बनाया था। रामधारी सिंह दिनकर की कविता की यह पंक्तियां आपातकाल के विरुद्ध आंदोलन में जनता की ताकत बन गई थी की सिंहासन खाली करो की जनता आती हे। निष्कर्ष रूप से कहा जा सकता हे की साधारण व्यक्तियों ने अपने मताधिकार से यह सिद्ध कर दिया की वे समय आने पर ऐतिहासिक व क्रांतिकारी परिवर्तन कर सकते है।

गौरव सोनी, मंदसौर

दो स्थानों पर सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया

भानपुरा, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर में नगर परिषद के तत्वाधान में होने वाले विकास कार्य चुनावी दौर व आचार संहिता के चलते विभिन्न निर्माण कार्य ठप्प पड़े थे। चुनावी दौरा निकल जाने के साथ ही नगर परिषद भानपुरा द्वारा अपने विकास कार्यों र्की श्रृंखला के अंतर्गत नगर में दो अलग-अलग स्थान पर सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। मंगलवार 25 जून को नगर परिषद भानपुरा द्वारा विकास कार्यों र्की श्रृंखला के अंतर्गत वार्ड क्रमांक एक एवं नौ में 58 लाख 31 हजार की लागत से निर्मित होने वाले सीमेंट कांक्रीट रोड का भूमि पूजन जनपद पंचायत भानपुरा के समीप एवं वार्ड क्रमांक 13 में जैन गली में मुख्यमंत्री अधोसंरचना के अंतर्गत विकास कार्यों र्का विधि विधान के साथ भूमि पूजन किया गया। विधि विधान के साथ नगर परिषद अध्यक्ष विनोद शिव भानपिया, नेता प्रतिपक्ष श्रीनाथ उपाध्याय, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि डॉक्टर जाकिर शेख द्वारा किया गया। इस दौरान पार्षद गण सुभाष बागड़ी, मकसूद अंसारी, रोडूलाल चारण, संतोष पाटीदार, इंजीनियर शिवानी परमार वार्ड के गणमान्य जन आदि उपस्थित थे।

स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज की पांचवीं पुण्यतिथि समन्वय परिवार ने अपना घर में मनाई

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। पद्मविभूषण , महामंडलेश्वर निवर्तमान जगद्गुरु शंकराचार्य , भारत माता मंदिर हरिद्वार के अधिष्ठाता ब्रह्मलीन स्वामी श्री सत्यमित्रानंद गिरि महाराज की पांचवीं पुण्यतिथि मंगलवार शाम अपना घर में मनाई गई । समन्वय परिवार मंदसौर शाखा के प्रतिनिधियों ने सामुहिक रूप से निराश्रित बालिका गृह अपना घर में प्रार्थना की । पाद पूजन आरती कर ब्रह्मलीन स्वामीजी का गुणानुवाद किया । उनकी दिव्य स्मृतियों का स्मरण करते हुए भावांजलि व्यक्त की। समन्वय परिवार के डॉ घनश्याम बटवाल , दिलीप गौड़ , गोपाल त्रिवेदी , डॉ दिनेश तिवारी , रमेश चंद्र सैनी , राजेंद्र तिवारी , गीतांजलि गौड़ वंदना त्रिवेदी , भारती शर्मा , शुभम गौड़ , योग्यता , आदि शामिल रहे । अपना घर बालिकाओं को समन्वय परिवार ने भोजन कराया । प्रार्थना आरती के बाद प्रसाद वितरण हुआ । पूजन दीप दीपन प्रक्रिया पंडित राजेंद्र तिवारी ने कराई । वरिष्ठ पत्रकार डॉ घनश्याम बटवाल ने पूजन और प्रार्थना आरती की । दिनेश तिवारी दिलीप गौड़ रमेश चंद्र सैनी ने भाव व्यक्त किये । भानपुरापीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ महाराज , समन्वय परिवार अध्यक्ष रामेश्वर काबरा ने ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज की दिव्यता को स्मरण करते हुए भाव पुष्प संदेश प्रदान किया ।

टक्कर मारने वाले कार ड्राइवर पर 1 माह बाद प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। बाइक सवार दम्पत्ति को टक्कर मारने वाले कार ड्राइवर के खिलाफ पुलिस ने एक माह बाद केस दर्ज किया। जानकारी के अनुसार 23 मई 2024 को सोनिक बायोकेम फेक्ट्री से पहले सोनगरा ढ़ाने के सामने मंदसौर की ओर से आ रही कार (एमपी 44 सीए 1351) के ड्राइवर ने तेज व लापरवाहीपूर्वक चलाकर बाइक (एमपी 44 एमके 1322) को टक्कर मार दी थी। इसमें बाइक सवार जन्नोद (रामपुरा, नीमच) निवासी कचरुलाल माली व पत्नी राधाबाई घायल हो गए। कचरुलाल का इलाज उदयपुर हुआ, सिर में फेक्चर है। दीपक माली की रिपोर्ट व चिकित्सकीय रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने कार ड्राइवर पर केस दर्ज किया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	16	2310	2417
उड़द	4	7001	8300
सोयाबीन	5200	4000	4600
गैहु	2819	2500	3150
चना	267	5700	6431
मसुर	143	5000	6176
धनिया	182	4390	7310
लहसुन	12000	5400	23100
मैथी	720	4200	6000
अलसी	725	5220	6000
सरसो	276	5121	5419
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	67	10101	13300
प्याज	3500	850	2881
कलोंजी	30	13901	18381
डॉलर	19	4940	8401
तिल्ली	275	9500	12501
मटरसुखी	2	4400	4400
असालीया	1	9560	9560

बीमारियों से बचाव के लिए योग कक्षा का शुभारंभ

दलौदा, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। दलोदा प्रगति चौराहे के पास मांगलिक भवन पर योग कक्षा का प्रारंभ में जिला योग आयोग अध्यक्ष कालू सिंह सिसोदिया, जिला पंचायत सदस्य विजय मेहता, प्रेस क्लब अध्यक्ष विकास सुराना, शासकीय महाविद्यालय जनभागीदारी अध्यक्ष हेमंत धनोतिया, सुमित सेन, पतंजलि योग के राकेश सिंह केलवा, हरनाथ सिंह गोड ,जितेंद्र राठौर, विशाल पोरवाल, जितेंद्र सिंह, नरेंद्र कुमावत,शुभम सरगरा द्वारा वैदिक यज्ञ किया गया। यज्ञ गायत्री परिवार के दशरथ टेलर द्वारा करवाया गया।

मुख्य योग प्रशिक्षक महेश कुमावत (भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी) ने बताया कि दलोदा जैसी ग्राम पंचायत में नियमित योग कक्षा चलने से क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा पिछले कई वर्षों र्से यहां हमारी नियमित योग कक्षा चलती आ रही है नई योग कक्षा से और ज्यादा लोग स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे । भारतीय जनमानस में तो सृष्टि के आदिकाल से ही योग को अपने जीवन में सम्मिलित किया हुआ था मध्यकाल में योग का अभ्यास शिथिल पड़ गया था वर्तमान में स्वामी रामदेव जी महाराज के माध्यम से चल रही योग क्रांति से पुन:अतीत की पुनरावृति हुई है, पिछले कुछ सालों में दलौदा क्षेत्र के हजारों लोग योग से लाभान्वित हुए हैं हम चाहते हैं कि योग एक जीवन दर्शन बन जाए तथा असाध्य रोगों से पीड़ित लोग योग को समाधान के लिए अपनाए योग से समाधि का परम सुख परम आनंद पाएं भूले भटके लोग अपनी राह को पाए। वर्तमान समय में कुछ युवा स्वयं को अपमानित, अपेक्षित, असुरक्षित व दुखी करके आत्महत्या के पाप की ओर कदम बड़ा रहे है ऐसे में योग द्वारा आत्मवेत्ता बन जाए क्योंकि आत्मवेत्ता आत्महत्या नहीं होता आत्मवेत्ता दूसरों की हत्या भी नहीं करता। योग के माध्यम से आज संपूर्ण राष्ट्र एवं विश्व के लोग राष्ट्रवादी, पुरुषार्थवादी ,अध्यात्मवादी व सत्यवादी सात्विक शक्तियां एकीकृत हो रही है इससे विश्व शांति व विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो रहा है तो हम सभी लोग जाति पंथ मजहब से ऊपर उठ करके सामूहिक योग कक्षा का हिस्सा क्यों नहीं बन सकते। इस अवसर पर बड़ी संख्या में साधक व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अब बच्चों का होगा मासिक मूल्यांकन, दस अंक के होंगे प्रश्न पत्र

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। सरकारी स्कूलों में कक्षा पहली से आठवी तक पढने वाले बच्चो का अब सतत मूल्यांकन होगा। इसके तहत अब मासिक मूल्यांकन भी किया जाएगा। इसके आधार पर विद्यार्थियों का हर माह सीखने की क्षमता का आकलन होगा। इसके आधार पर कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष फोकस किया जाएगा। इसमें पहली व दूसरी कक्षा के बच्चों का मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक (एफएलएन) आधारित साप्ताहिक आकलन विषयवार किया जाएगा। इसमें बच्चों को अभ्यास पुस्तिका दी जाएगी। इसमें किए गए कार्यों से ही आकलन होगा। वहीं तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन होगा। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने पहली से आठवीं कक्षा के लिए सतत व्यापक मूल्यांकन के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए है। इसमें प्रत्येक विषय के लिए 10-10 अंकों के लर्निंग आउटकम्स आधारित गुणवत्ता युक्त प्रश्नपत्र दिया जाएगा। मूल्यांकन के लिए मौखिक प्रश्नों को शामिल किया जाएगा।

मासिक मूल्यांकन अगस्त, सितंबर, दिसंबर व जनवरी में होगा। इसमें विद्यार्थियों के प्राप्तांकों के आधार पर ग्रेड दिया जाएगा। इसमें मासिक मूल्यांकन की उत्तरपुस्तिकाओं का प्रश्नवार एवं छात्रवार विश्लेषण कर लर्निंग गैप्स की पहचान की जाएगी एवं स्कूलों में विशेष कक्षाएं लगाकर कमियों को पूरा कराया जाएगा। इसके अलावा विद्यार्थियों के शैक्षिक के साथ-साथ व्यक्तिगत एवं सामाजिक गुणों का मूल्यांकन भी होगा। इसमें अनुशासन, साफ-सफाई, कक्षा में शिक्षकों व दोस्तों से व्यवहार सहित अन्य गतिविधियों का भी आकलन किया जाएगा। इसका उल्लेख बच्चों के समग्र प्रगति पत्रक पर किया जाएगा, जिसमें मासिक मूल्यांकन के ग्रेड को भी लिखा जाएगा।

इस तरह तैयार होगा परीक्षा परिणाम...

तीसरी व चौथी और छठवीं व सातवीं का रिजल्ट विषयवार मासिक टेस्ट में (अधिकतम अंक 40) का अधिभार 10 अंक, छमाही परीक्षा (अधिकतम अंक 60) अधिभार 20 अंक और वार्षिक लिखित परीक्षा (अधिकतम अंक 60) के प्राप्तांक और प्रोजेक्ट कार्य (अधिकतम अंक 40) का अधिभार 10 अंक को जोडक़र तैयार किया जाएगा।

5वीं व 8वीं का ऐसे तैयार होगा रिजल्ट

- छमाही परीक्षा (लिखित)-अधिभार 20 अंक
- वार्षिक परीक्षा (लिखित)-पूर्णांक 60 में से प्राप्तांक
- वार्षिक परीक्षा (प्रोजेक्ट कार्य)-अधिभार 20 अंक

छह माही परीक्षा भी होगी...

पहली व दूसरी कक्षा के बच्चों का छमाही परीक्षा नहीं ली जाएगी। तीसरी से आठवीं तक के बच्चों की छमाही परीक्षा नवंबर के अंत में ली जाएगी। इसमें प्रत्येक विषय में लिखित पेपर 60 अंक का होगा और 40 अंक प्रोजेक्ट वर्क का होगा। इसके प्रश्नपत्र राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा तैयार किए जाएंगे। इसके बाद पहली से चौथी और छठवीं व सातवीं कक्षा का वार्षिक मूल्यांकन भी होगा। इसमें 33 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा।

इनका कहना...

आठवीं तक के बच्चों का मासिक मूल्यांकन किया जाएगा। समग्र प्रगति पत्रक में बच्चों के मासिक मूल्यांकन और छमाही व वार्षिक परीक्षा का उल्लेख किया जाएगा।

धनराजू एस, संचालक, राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल

हत्या के तीन आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। हत्या के तीन आरोपियो को न्यायालय ने आजीवन कारावास एवं अर्थदंड की सजा से दंडित किया है।

अभियोजन के अनुसार मामला इस प्रकार हैं कि सद्दाम पिता याकूब 12 सितंबर 2022 की रात 8 बजे संजय हिल्स कॉलोनी में गोपाल की दुकान सांवरिया किराना पर बैठा था। उसके साथ उसके मामा का लडका शाहरूख भी था। इतने में लड्डू पिता अनवर खान जो उसके घर के पीछे रहता हैं, दौडकर आया और बताया कि उसका भाई अजहर उर्फ नंदू, अनुसिंह पारदी के घर के बाहर पारदी डेरा में घायल पड़ा हुआ हैं, तो वह और शाहरूख तुरंत अनुसिंह के घर के बाहर पहुंचा तो देखा कि उसका भाई अजहर उर्फ नंदू सर के बल जमीन में चितावस्था में पडा था तथा उसके नाक, मुंह और चेहरे से धारदार हथियार के घाव दिख रहे थे और खून निकल रहा था, मौके पर अनवर पिता चांद खां मौजूद था। उसने और शाहरूख व अनवर ने अजहर को संभाला तो अजहर ने बताया कि उसके साथ विशाल पिता बापूलाल पारदी, अनुसिंह पिता जसवंत सिंह पारदी, काली उर्फ राधे पिता कुलेश पारदी निवासी पारदी डेरा संजय हिल्स मंदसौर ने पुरानी रंजिश को लेकर जान से मारने की नीयत से धारदार हथियार एवं लात घूसो से मारपीट की थी।

उपचार के दौरान अजहर की मृत्यु हो गई। इस सूचना पर पुलिस थाना वायडी नगर मंदसौर में धारा 302, 34 भादंसं के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई तथा तत्कालीन थाना प्रभारी जितेन्द्र पाठक द्वारा प्रकरण में अनुसंधान किया गया। अभियोजन ने मामले में न्यायालय के समक्ष संपूर्ण तथ्यों को रखते हुए 22 साक्षियों के कथन करवायें। अभियोजन पक्ष ने संपूर्ण मामले को न्यायालय के समक्ष प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया और सफलता प्राप्त की। उक्त मामले में तत्कालीन थाना प्रभारी जितेन्द्र पाठक की महत्वपूर्ण भूमिका रही हैं।

न्यायालय द्वारा सम्पूर्ण प्रकरण का सूक्ष्मता से विश्लेषण करने के बाद न्यायालय षष्ठम अपर सत्र न्यायाधीश श्री सुरेश सिंह जमरा द्वारा अभियोजन पक्ष पर विश्वास करते हुए तथा मामले को प्रमाणित मानते हुए अभियुक्त विशाल पिता बापूलाल पारदी, अनुसिंह पिता जसवंत सिंह पारदी, काली उर्फ राधे पिता कुलेश पारदी को सश्रम आजीवन कारावास और प्रत्येक को 2-2 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया गया। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से एडवोकेट श्री तेजपालसिंह शक्तावत, एडवोकेट श्री भगवतीलाल शर्मा एवं एडवोकेट श्री भगवान सिंह चौहान द्वारा पैरवी की गई।

जिले में 14 सितम्बर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

नीमच, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय नीमच तथा तहसील मुख्यालय मनासा, जावद एवं रामपुरा न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2024 की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 सितम्बर, 2024 शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सुशांत हुद्दार के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में नीमच, मनासा, जावद एवं रामपुरा के न्यायालयों में विचाराधीन समझौता योग्य समस्त दाण्डिक, सिविल, विविध, मोटर दुर्घटना दावा, विद्युत अधिनियम, नगर पालिका, नगर पंचायतों, श्रम, बैंक के प्रकरणों का निराकरण आपसी सुलह और समझौते द्वारा किया जायेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव, जिला न्या याधीश सुश्री नजमा बेगम ने पक्षकारों से आग्रह किया है, कि उपरोक्त श्रेणी के समझौता योग्य प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत के माध्यम से कराने हेतु अपने अभिभाषकों से सम्पर्क करें व सम्बन्धित कार्यालयों में सहमति प्रस्तुत करें।

दस्तक अभियान का हुआ शुभारंभ

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जीएस चौहान द्वारा बताया गया कि बाल एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिये दस्तक अभियान का शुभारंभ किया है। दस्तक अभियान जिले में 27 जून तक आयोजित किया जाएगा। जिसके तहत 0 से 5 वर्ष के बच्चों में बाल्यकालीन बीमारियां जैसे कुपोषण, एनिमियाँ, डायरिया, निमोनिया एवं जन्मजात विकृति बच्चों की स्कैनिंग की जावेगी। इस दौरान जो बच्चे गंभीर पाये जाने पर उन्हें जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रेफर किया जावेगा। 0 से 5 वर्ष तक के लगभग 1 लाख 20 हजार 110 बच्चों की 27 जून तक घर-घर जाकर स्कैनिंग की जाएगी। विकासखण्ड धुधंडका में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंतशर्मा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नरसिंहपुरा मंदसौर में पार्षद एवं शहरी नोडल अधिकारी डॉ सतीशचंद्र गोड ने अभियान का शुभारंभ किया।

भाजपा जिला कार्यालय मंदसौर सहित जिले में आपातकाल की 50वीं बरसी पर मीसा बंदियों का किया सम्मान

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय मंदसौर में आपातकाल की 50 वीं बरसी पर मीसाबंदियों को मुख्य वक्ता सोनू गेहलोत, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सुराना, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, भाजपा जिला महामंत्री राजेश दीक्षित, पिछडा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, कार्यक्रम जिला प्रभारी पारस मावर, नपाध्यक्ष रमा देवी गुर्जर, लोकतंत्र प्रहरी संघ के जिलाध्यक्ष हंसराज कबाडी द्वारा लोकतंत्र प्रहरी यों का सम्मान कर उनके संस्मरण सुने गये। कार्यक्रम का शुभारंभ पं.दीनदयाल उपाध्याय जी एंव डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात लोकतंत्र प्रहरी संघ के सम्मानित सदस्यों का शॉल, माला और श्रीफल भेंट कर मंचस्थ अतिथि गणों द्वारा सम्मान किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सोनू गेहलोत ने संबोधित करते हुए कहा की कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता कल संसद में संविधान की प्रति हाथ में लेकर पहुंचे थे। लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान और लोकतंत्र को बचाने का कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने झूठा प्रचार-प्रसार किया। हकीकत में कांग्रेस राज में 100 से ज्यादा बार संविधान में संशोधन किया गया। जब 1975 में आज के दिन रात को 2 बजे तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाई थी उस समय सोनिया गांधी बहू के नाते वहां पर मौजूद थी। तब सोनिया गांधी ने संविधान बचाने की बात नहीं की, लेकिन कल जब संसद भवन पहुंचीं तो उनके हाथ में संविधान की प्रति थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने बताया की आपातकाल के समय जिन लोगों ने भारत की स्वतंत्रता को निगल लिया था। आज वही लोग देश में संविधान की दुहाई दे रहे है और देश की नई पीढ़ी को गुमराह करने की कोशिश कर रहे है। हमें आज इस कार्यक्रम के माध्यम से यहाँ उपस्थित लोकतंत्र सेनानियों से आपातकाल के समय मिली यातनाओं की जानकारी लेकर कांग्रेस के दुष्प्रचार को समाप्त करना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा की आपातकाल के समय हमारे लाखो कार्यकर्ताओं को झूठे मुकदमे में उलझा कर जेल में डाल दिया गया था। कई लोगों ने छ: माह, एक साल, ढेड साल और अधिकतम दो वर्ष तक जेलों में रहकर तत्कालिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इशारों पर यातनाएं झेली है। आज की नई पीढ़ी को इस कठिन समय की जानकारी होना अत्यन्त आवश्यक है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा की राहुल गांधी झूठ की मशीन है। संकट संविधान और लोकतंत्र पर नहीं है, बल्कि राहुल और गांधी परिवार के साथ-साथ अपने परिवार को स्थापित करने वाले इंडी गठबंधन पर है। लोकतंत्र एंव संविधान की दुहाई दे रही कांग्रेस ने अपने शासन काल में 100 से अधिक गैरवाजिब संशोधन संविधान में कर देश को नुकसान पंहुचाया है। कार्यक्रम का संचालन देवेंद्र मरच्या ने किया एंव आभार पुलकित पटवा ने माना। कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानी हंसराज कबाडी, गोपाल पटवा, मनोहर लाल जैन, सुरेंद्र सिंह खेडा, ओमप्रकाश बिलोरिया, अम्बालाल गहलोत, नारायण सिंह चौहान, श्रीमती तुलसी मामा, श्रीमती पार्वती राधेश्याम काला, श्री बलवंत फांफरिया, सुरेश अरवेंदकर, नरेश चंदवानी, देवेन्द्र मरच्या सहित अनेक मिसाबधियों तथा उनके परिवारजनों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्ष गण, मंडल पदाधिकारीगण, मोर्चा जिलाध्यक्ष महामंत्री गण, नपा. पार्षदगण सहित कार्यकर्ता गण उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

भाजपा कार्यालय मंदसौर पर हुआ लोकतंत्र सेनानी परिवार के बलवंत फांफरिया का सम्मान– भारतीय जनता पार्टी जिला मंदसौर द्वारा आपातकाल स्मृति दिवस (26 जून) के अवसर पर 25 जून मंगलवार को जिला भाजपा कार्यालय मंदसौर पर लोकतंत्र सेनानियों (मीसाबंदियों) एवं लोकतंत्र प्रहरी परिवारों का स्वागत सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। जिसके अंतर्गत मंदसौर के फांफरिया परिवार के सदस्य स्व मिश्रीलाल जी फांफरिया और स्व शांतिलाल जी फांफरिया भी मीसाबंदी रहे थे और आपाताकाल के समय भीषण यातानाएं झेली थी। उसी के तहत भाजपा ने उनके परिवार के वरिष्ठ पत्रकार बलवंत फांफरिया का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मीसाबंदी परिवार के बलवंत फांफरिया ने बताया कि मेरी 15 वर्ष की आयु थी और 21 जून की रात्रि को आठ से दस पुलिसकर्मियों ने पिताश्री स्व शांतिलाल जी फांफरिया को निवास स्थान से गिरफतार कर ले गये। उस समय स्थिति भयावह थी जैसे तैसे दिन कांटे थे।

मंदसौर से शामिल होगा फांफरिया परिवार – मीसा कानून के अंतर्गत लाखों सामाजिक / राजनैतिक नेताओं व कार्यकताओं को अनिश्चितकाल के लिये जेलों में बंद कर दिया गया था। उस समय मंदसौर फांफरिया परिवार के दो दिवंगत स्व मिश्रीलाल जी फांफरिया और स्व श्री शांतिलाल जी फांफरिया भी मीसा में जेल में बंद रहे थे। उस समय इन दोनों ने और इनके परिवारजनों ने बहुत यातानाऐं झेली थी। ऐसे योद्धाओं ओर परिवारजनों का सम्मान आज मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 26 जून को भोपाल में श्यामला हिल्स स्थित आवास पर ससम्मान आमंत्रित किया है। इस कार्यक्रम हेतु मंदसौर के स्व मिश्रीलाल जी फांफरिया और स्व शांतिलाल जी फांफरिया परिवार को भी ससम्मान आमंत्रित किया गया है जिसमें मंदसौर से वरिष्ठ पत्रकार बलवंत फांफरिया, रिषभ फांफरिया और विजयेन्द्र फांफरिया सम्मिलित होगे। इनके अलावा मंदसौर से अन्य मीसाबंदी रहे योद्धा एवं उनके परिवारजन भी सम्मिलित होगे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई के दौरान 59 ग्रामीणजनों की समस्याएं सुनी

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने सुशासन भवन सभाकक्ष में ग्रामीण जनों की समस्याएं सुनी प्रति मंगलवार की तरह जिला कलेक्ट्रेट (सुशासन भवन) में साप्ताहिक जनुसनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई में जिले भर से आए 59 आवेदकों की समस्याएं सुनी। कलेक्टर श्री यादव ने अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण करने के अधिकारियों को निर्देश दिये। जनसुनवाई में आवेदकों ने अपनी समस्या/ शिकायत/ मांग/ आर्थिक सहायता संबंधी आवेदन दिये। जनसुनवाई में दौरान वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी आवेदकों से आवेदन पत्र प्राप्त कर उन पर समुचित कार्यवाही के लिये विभाग प्रमुखों की ओर प्रेषित किया। जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुडवाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायता, आपसी विवाद, शिक्षा ॠण दिलाने, सामुदायिक सुविधा घर (कम्युनिटी टायलेट) बनवाने आदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये। जिनके निवारण हेतु संबंधित विभागाधिकारियों को निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, जिला अधिकारी उपस्थित थे।

मां बेटे को पीटा, तीन पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। जमीन विवाद में मां-बेटे को पीटा, पुलिस ने महिला के जेठ व भतीजों पर केस दर्ज किया। कचनारा निवासी भंवरीबाई डांगी ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि जमीन विवाद के चलते मेरे जेठ भेरुलाल व उसके लडके जीवन व रायसिंह ने गाली-गलौज की व लट्ठ से मारा, जिससे चोंटे आई। बीच-बचाव करने आए मेरे बेटे राकेश को भी लात-घुसों से पीटा। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार घायल

पिपलियामंडी, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। पिकअप की टक्कर से बाइक सवार बैंककर्मी घायल हो गया। जग्गाखेड़ी निवासी हरिओम चोहान ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई की नीमच आईडीएफसी फस्ट बैंक में कार्य के बाद बाइक (एमपी 14 एएफ 4663) से वापस घर जा रहा था, थड़ोद फन्टे के यहां पीछे से आ रही पिकअप (एमपी 14 जीसी 2712) के ड्राइवर ने तेज व लापरवाहीपूर्वक चलाकर टक्कर मार दी, जिससे चोंटे आई। पुलिस ने पिकअप ड्राइवर पर केस दर्ज किया।

महाविद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर व पौधारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/जिला न्यायाधीश सिद्धार्थ तिवारी द्वारा बालक छात्रावास परिसर, शासकीय राजीव गांधी स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर में वृहद वृक्षारोपण एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में वृक्षारोपण के महत्व पर विस्तृत जानकारी देते हुए सचिव/जिला न्यायाधीश श्री सिद्धार्थ तिवारी द्वारा बताया गया कि वृक्षों का होना हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिससे हमारा पर्यावरण शुद्ध होकर हमें स्वस्थ हवा पानी आदि सुविधाएं प्राप्त होंगी जहां पौधों का लगाना आवश्यक हो रहा है, वहीं इनकी देख रेख तथा पौधों का न काटा जाना आवश्यक हो गया है। साथ ही यह भी बताया कि कि पौधों का लगाया जाना अति महत्वपूर्ण है, उन्होनें यह भी कहा कि पौधे प्रत्येक व्यक्ति को लगाना चाहिये पौधे लगाने के साथ-साथ इनका संरक्षण होना भी आवश्यक है। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सिद्धार्थ तिवारी, जिला न्यायाधीश डॉ. प्रीति श्रीवास्तव, महाविद्यालय प्रचार्य डॉ. एल.एन.शर्मा, छात्रगण, पैरालीगल वालेंटियर श्री संजय नीमा एवं श्रीमती सीमा नागर उपस्थित थे।

मसखरों की मनोदशा और कांग्रेस...

पेज 1 से जारी

राहुल कहां पीछे रहे? हरेक संस्था में घोषित या अघोषित रूप से एक आतंरिक संविधान की अवधारणा स्थापित की जाती है। कांग्रेस भी इसका अपवाद नहीं है लेकिन राहुल तथा उनकी माताजी सोनिया गांधी ने अपनी इस पार्टी में ऐसी किसी भी व्यवस्था का गला घोटने में कभी कोई कसर नहीं उठा रखी। सीताराम केसरी को पार्टी अध्यक्ष पद से जिस तरह जलील कर हटाया गया, उसने कांग्रेस में न सिर्फ वंशवाद की विष-बेल को रसद-खाद प्रदान की, बल्कि इससे यह भी हुआ कि पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र को किसी शोकतंत्र में बदल दिया गया। आज राहुल की कांग्रेस में रायशुमारी नहीं, केवल चाटुकारी के लिए निरापद वातावरण बचा है। असहमति के स्वरों के लिए तो खैर कोई गुंजाइश ही नहीं छोड़ी गई है। आपातकाल के समय कांग्रेस की चाटूकार टोली ने नारा दिया था, ' इंदिरा इज इंडिया एंड इंडिया इज इंदिरा।' राहुल वाली कांग्रेस में आज चमचत्व की विशुध्द प्रतियोगिता का नारा भी यही है कि 'गांधी-नेहरू इज कांग्रेस, एंड कांग्रेस इज गांधी-नेहरू।'

संविधान के विधि-विधान के विपरीत कांग्रेस के कारनामों का लंबा इतिहास है। राहुल की सोचने-समझने की वास्तविक क्षमता को देखते हुए कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि उन्हें इस बारे में लगभग कोई भी जानकारी न हो। यदि वे इस सबसे परिचित हैं, तब भी यह बेशक कहा जा सकता है कि वे अपने परिवार के प्रिय पात्र सैम पित्रोदा की तरह ही ' जो हुआ, सो हुआ' वाली थ्योरी में ही यकीन कर रहे हों। आखिर वह पार्टी के मुख्य नायक जो ठहरे। अब नायक ही कॉमेडियन का काम भी करने लगे, तो कोई क्या कर सकता है? अफसोस तो कांग्रेस के उन अंतिम पंक्ति वाले मसखरों पर हो रहा है, जो राहुल की इस अदा और अदाकारी के चलते 'बेरोजगार' हो गए हैं। यह तबका निश्चित ही मन मसोस कर यह देख रहा होगा कि जिस मनोदशा ने उन्हें कभी भी पार्टी की अग्रिम पंक्ति में आने नहीं दिया, उसी दशा के साथ राहुल ने पार्टी के शीर्ष पर बने रहने की दिशा में अपने लिए पुख्ता बंदोबस्त कर लिया है। भले ही इस सबके चलते कांग्रेस पार्टी 'राहु की महादशा' झेलने के लिए अभिशप्त क्यों न कर दी गई हो।

सीए ब्रांच ने की पौधरोपण से सीए सप्ताह की शुरुआत

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रकृति के साथ खिलवाड का परिणाम इस वर्ष भयंकर गर्मी के रूप में हम सब भुगत चुके हैं। अब समय है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी के लिये स्वस्थ पर्यावरण का निर्माण करें और इसके लिये हमें वृहद स्तर पर पौधारोपण कर उनकी देखभाल कर उन्हें विशाल वृक्ष के रूप में विकसित करना होगा। हमने प्रगति की दौड में प्रकृति को बहुत नुकसान पहुँचाया है और इसीलिये इस वर्ष नगरपालिका ने पर्यावरण की दिशा में कार्य करने का बीड़ा उठाया है। हमारा प्रयास रहेगा कि शहर की विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर मन्दसौर को सुन्दर व प्राकृतिक छटा से युक्त शहर बनाने की दिशा में कार्य करें। मन्दसौर सीए ब्रांच के सदस्य धन्यवाद के पात्र हैं कि उन्होंने इस प्रकल्प में सबसे पहले नगरपालिका के साथ मिलकर अपने सीए सप्ताह की शुरूआत पौधारोपण के साथ प्रारंभ की है।

उक्त विचार नपा अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा नगरपालिका ट्रेंचिंग ग्राउंड पर आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता श्री राजेश गुर्जर ने कहा कि हम सभी को साथ में मिलकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करना होगा। यदि अभी भी हम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ी कभी भी हमें माफ नहीं करेगी। मन्दसौर ब्रांच के उपाध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने सीए सप्ताह में आयोजित होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए सभी से आग्रह किया कि सीए इंस्टीट्यूट के अमृत वर्ष में आयोजित होने वाले पूरे सप्ताह की गतिविधियों में तन, मन, धन से अपना योगदान प्रदान करें। कार्यक्रम का संचालन सीए अर्पित नागर ने किया। आभार प्रदर्शन मन्दसौर ब्रांच के सचिव सीए विकास भंडारी ने किया। कार्यक्रम में सीए विरेन्द्र जैन, सीए विनय अग्रवाल, सीए रितेश पारिख, सीए रचित जैन, सीए अंकुश जैन, सीए अंकित नागर, सीए राजेश जैन, सीए सिद्धार्थ अग्रवाल, सीए नयन जैन, सीए आशीष जैन, सीए अंकित श्रीमाल, सीए अर्पित नागदा, सीए सुबोध सिंहल, सीए रोहन सोमानी, सीए नीतेश भदादा, सीए राहुल सोमानी, सीए गौरव गुप्ता, सीए सिद्धार्थ विजयवर्गीय, रुद्राक्ष मंडवारिया, हिमांशु भिमानी, दुर्गेश तिवारी, रोशन माखिजा, रिया जैन, महिमा मोटवानी, प्रेक्षा बाफना, स्वाति शर्मा, खुशी तोमर, प्रियल जैन, साक्षी कुमावत, तनिषा शर्मा, प्रियल कनेसरिया आदि उपस्थित रहे।

* पूजारी चाहिए *
श्री हरिहर धाम
वेदांत विहार, लक्ष्मी नगर, अभिनंदन रोड, मंदसौर
मंदिर में पूजा अर्चना के लिए फूल टाइम पूजारी की आवश्यकता है।
** इच्छुक संपर्क करें **
सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक
मो. 9424033322, 9425105927

जिपं की साधारण सभा की बैठक संपन्न

मंदसौर, 25 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार की अध्यक्षता में साधारण सभा की बैठक जिला पंचायत सभागार में आयोजित हुई। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि सभी विभाग पालन प्रतिवेदन साथ लेकर आवे। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती मनु प्रिया यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, सभी सदस्य एवं जिलाधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि अगर कोई भी राशि आहरित की जाती है तो उसकी जानकारी सभी सदस्य के संज्ञान में जानकारी हो। जिला अस्पताल में कितने पद रहते हैं उनकी जानकारी ली। आयुष्मान कार्ड की केवाईसी कार्य पूर्ण करें। प्राइवेट हॉस्पिटल में आयुष्मान कार्ड से इलाज कराने वाले व्यक्तियों की जानकारी दे। जल जीवन मिशन द्वारा जो कार्य किया जा रहा है वह अच्छे से करें। अगर कहीं पाइपलाइन टूटी हुई है तो उनको ठीक करें। ग्रामीण जनों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं ना हो इसका ध्यान रखें। शिक्षा विभाग के कितने कर्मचारी दूसरों विभाग में अटेच है उनकी जानकारी देवे। स्कूल की भूमि से अतिक्रमण हटाए। जिले में कितने अमृतसर सरोवर तालाब बनाए गए इनके जानकारी ली। जिले में वृक्षारोपण कार्य को युद्ध स्तर पर करें। मनरेगा के कार्यों पर भी चर्चा की गई।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in